



नियुक्तियों का बढ़ता कार्या...

सहायक नगर निवेशक/कनीय अभियंता/स्ट्रीट लाईट
इंस्पेक्टर/पाइपलाइन इंस्पेक्टर/खान निरीक्षक/मोटरयान निरीक्षक

का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन

माओ मंत्री, जल संसाधन विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा
विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता

माओ मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास,
उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री हफीजुल हसन

माओ मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, निबंधन विभाग,
पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, नगर
विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

डॉ. रामेश्वर उरांव

माओ मंत्री, वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य-कार एवं
संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर

माओ मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
झारखण्ड सरकार

श्री दीपक बिठ्ठा

माओ मंत्री, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं
पिछड़ा वर्ग कल्याण (अल्पसंख्यक कल्याण को छोड़कर),
परिवहन विभाग, झारखण्ड सरकार

इस अवसर पर आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

23 जुलाई, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे
प्रोजेक्ट भवन सभागार, धुर्वा, रांची

//-- सुविचार --//

जो बिन कहे सुन ले वो दिल के बेहद करीब होते हैं, ऐसे नाजुक एहसास बड़े भाग्य से नसीब होते हैं

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:14 प्रातः

अस्त : 06:36 संध्या

प्रदेश का तापमान (आज)

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.0	23.0
जमशेदपुर	33.0	25.0
हजारीबाग	34.0	23.0
डालतगंज	36.0	27.0

संक्षिप्त खबरें

टोंटो जंगल से 5 किलो का आईईडी बरामद



चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सली संगठनों के खिलाफ सोमवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाया गया पांच किलो आईईडी को सुरक्षाबलों ने बरामद किया। बाद में उसे जंगल में ही नष्ट कर दिया गया। सोमवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान टोंटो थाना क्षेत्र में वनग्राम पुरती टोला और चिड़ियाबेड़ा के आसपास क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए पांच किलो का एक आईईडी लगाया था। सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने बम को बरामद कर उसी स्थान पर नष्ट कर दिया।

अजय कुमार बने रामगढ़ के नए एसपी



रांची। स्पेशल ब्रांच एसपी के पद पर पदस्थापित अजय कुमार को रामगढ़ जिले का एसपी बनाया गया है। इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार ने सोमवार की रात रामगढ़ एसपी के पद पर पदस्थापित डॉ. विमल कुमार का सरकार ने तबादला कर दिया था। विमल कुमार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में योगदान देने का निर्देश दिया गया था।

खेल

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति का बड़ा फैसला निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को मिलेगा ओलंपिक ऑर्डर सम्मान

नई दिल्ली : भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा।

आईओसी अध्यक्ष ने दी बधाई

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाच ने बिंद्रा को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, रंगूझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने ओलंपिक आंदोलन में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपको ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित करने का फैसला किया है।

सावन की पहली सोमवारी पर देवघर के बाबा धाम में उमड़ी भीड़



शहर के मकान से लेकर गांव की झोपड़ी तक रोशनी पहुंचाने का लक्ष्य : हेमंत सोरेन

नव प्रदेश संवाददाता

साहेबगंज। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज मुख्य रूप से यहां आने का उद्देश्य आप ग्रामीणों के घरों को रोशन करना है। शहर का मकान हो या फिर गांव की कोई झोपड़ी अब सभी घर रोशन रहें यही हमारा उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर ऊर्जा, हर घर बिजली की उपलब्धता उनकी सरकार की प्राथमिकता है। वे सोमवार को साहेबगंज जिला के बरहेट प्रखंड अंतर्गत सिंगा मैदान में आयोजित 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन (बरहेट) एवं 132 केवी (पाकुड़-राजमहल) द्विपथ लिलो संचरण लाइन का शुभारम्भ एवं विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास तथा परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संकल्प हम लोगों का था कि शहर ही नहीं, बल्कि गांव में भी बिजली की पर्याप्त सुविधा होनी चाहिए। लम्बे समय से बरहेट आसपास क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामीण बिजली



200 यूनिट बिजली निःशुल्क दे रही राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ बिजली ग्रिड का उद्घाटन ही नहीं हुआ है, बल्कि राज्य के हमारे गरीब, गुरबा,

गांव-देहात के लोग जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं उनके लिए भी राज्य सरकार ने बड़ी सोगात देने का काम किया है। अब राज्य सरकार झारखंडवासियों को 200 यूनिट बिजली भी मुफ्त उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई जगह से यह शिकायत आती है कि किसी के घर में मीटर नहीं लगा है, फिर भी बिजली का बिल आ रहा है और उन्हें 200 यूनिट का लाभ नहीं मिल रहा है। इन सभी शिकायतों के समुधान हम लोग शीघ्र कर देंगे। आगामी 24 तारीख को आयोजित होने वाले कैबिनेट की बैठक में इस

पर निर्णय लिया जाएगा, ताकि राज्यवासियों की बिजली से संबंधित सभी समस्या का समाधान हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ उद्घाटन नहीं है, बल्कि बिजली विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यह ग्रिड सब-स्टेशन सुचारू रूप से संचालित होनी चाहिए। ग्रिड सब-स्टेशन में ब्रेकडाउन न के बराबर हो इसका पुख्ता इंतजाम रहे। इसमें किसी भी प्रकार से बाधा उत्पन्न न हो और ब्रेकडाउन की स्थिति नहीं आनी चाहिए।

नियुक्ति का सिलसिला जारी रहेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि फिर से आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द पुलिस बहाली के लिए दौड़ का आयोजन होगा। इसकी तैयारी हो गई है। सिपाही भर्ती के लाखों आवेदन प्राप्त हुए हैं उसकी भी बहाली शुरू हो जाएगी। कुछ दिनों पूर्व 1500 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत तेजी से अड़चनों को दूर कर नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। नियुक्ति देने का सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

युनौतियों के बावजूद योजनाओं को धरातल पर उतारा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उनकी सरकार गठन होने के साथ ही वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी। लगभग दो वर्षों तक कोविड-19 का प्रभाव विकास कार्यों पर पड़ा। तमाम

युनौतियों के बावजूद हमारी सरकार ने राज्य के भीतर जनकल्याण की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू किया गया, जिसका लाभ झारखंड के मूलवासी, आदिवासी, दलित, शोषित, पिछड़े सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को बखूबी मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वजन पेंशन योजना लागू करने वाला झारखंड देश का पहला राज्य बना। सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत आज के समय में सभी पात्र लाभुकों को पेंशन योजना से आच्छादित किया जा चुका है। अब कोई भी वृद्धजन, विधवा, दिव्यांग पेंशन योजना से छूटा नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को उनका हक-अधिकार उपलब्ध करा रही है।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा 'शिवगादी'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजमहल स्थित 'शिवगादी' को धार्मिक पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालु

यहां आते हैं और वे लम्बी दूरी तय कर महादेव में जल अर्पित करते हैं। राज्य सरकार ने तय किया है कि यहां सीढ़ियों के साथ-साथ रोप-वे की व्यवस्था हो, ताकि यहां और भी श्रद्धालु जुड़े और यह स्थल देश में प्रसिद्ध पर्यटक स्थल के रूप में जाना जा सके।

मुख्यमंत्री ने इन योजनाओं की दी सीगात

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 7064 लाख रुपये की लागत से 100 एमवीए क्षमता का 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन एवं 132 केवी द्विपथ लिलो संचरण लाईन का उद्घाटन किया। साथ ही 16581.866 लाख रुपये की कुल 5 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 7064 लाख रुपये का उद्घाटन और 9517.866 लाख रुपये की 4 योजनाओं की आधारशिला रखी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राजमहल एवं बरहेट प्रखंड में कुल 1039 लाभुकों के बीच 3880.955 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटीं।

भारत के साथ सीमा विवाद कूटनीतिक वार्ता से सुलझाएंगे नेपाल के नए प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू। नेपाल के नए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ सीमा विवाद को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सभी स्तर पर कूटनीतिक वार्ता के जरिए सभी समस्याओं का समाधान होने का उन्हें भरोसा है। संसद में विश्वास मत हासिल करने के अगले दिन सोमवार को सांसदों के सवाल पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि कालापानी, लिपुलेक और लिम्पियाधुरा को लेकर नेपाल की संसद में सर्वसम्मति से संविधान संशोधन करके सरकार कूटनीतिक तरीके से ही इसका समाधान चाहती

है। ओली ने कहा कि चूंकि संसद में संविधान संशोधन के जरिए हमने इन क्षेत्रों पर अपना दावा किया है, इसलिए इससे पीछे नहीं हट रहे हैं लेकिन हम इसका दीर्घकालिक समाधान चाहते हैं। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भारत के साथ होने वाली सभी स्तर की वार्ता के दौरान सीमा समस्या को लेकर दोनों ही देश गम्भीर है। ओली ने कहा कि प्रधानमंत्री स्तर पर पिछली बार हुई वार्ता के दौरान भी सीमा समस्या को सुलझाने को लेकर स्पष्ट सहमति हुई है। ओली का दावा है कि जल्द ही सीमा समस्या को लेकर बॉर्डर वर्किंग ग्रुप को फिर से सक्रिय किया जाएगा।

झारखंड कैबिनेट की बैठक 24 जुलाई को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 24 जुलाई को होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय ने सोमवार को आदेश जारी कर दिया है। कैबिनेट की बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होगी। कैबिनेट की बैठक में आगामी मानसून सत्र की मंजूरी दी जाएगी। इसके अलावा झारखंड राज्य के गिग वर्कर के लिए विधेयक लाने की स्वीकृति दी जाएगी, जिसे विधानसभा से पारित कराया जाएगा। ऐसे वर्कों को कई तरह की सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएगी। कैबिनेट में इसके अलावा प्रथम अनुपूरक बजट सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

आईएनएस ब्रह्मपुत्र में लगी भीषण आग, एक नाविक लापता

मुंबई। वॉरशिप आईएनएस ब्रह्मपुत्र में रविवार को लगी भीषण आग में जहाज बुकी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना के बाद से एक नाविक लापता है। लापता नाविक की छानबीन नौसेना की टीम कर रही है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि आईएनएस ब्रह्मपुत्र में भीषण आग लगने के बाद यह जहाज समुद्र में एक तरफ झुक गया। बयान में कहा गया है कि अधिकारी एक नाविक की तलाश कर रहे हैं जो आग की घटना के बाद से लापता है। नौसेना ने कहा कि जैसा कि पहले बताया गया था 21 जुलाई की शाम भारतीय नौसेना के बहु-भूमिका वाले फ्रिगेट जहाज ब्रह्मपुत्र में आग लग गई थी। जब वह एनडी (एमबीआई) में मरम्मत के लिए जा रहा था। 22 जुलाई की सुबह तक नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई 6 एनडी



(एमबीआई) 8 और बंदरगाह में मौजूद अन्य जहाजों के अग्निशामकों की सहायता से जहाज के चालक दल ने आग पर काबू पा लिया। बयान में आगे कहा है गया कि फ्रिगेट आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर लगी आग की घटना में युद्धपोत (बंदरगाह की तरफ) गंभीर रूप से झुक गया। तमाम कोशिशों के बावजूद जहाज

को सीधा नहीं किया जा सका है। जहाज अपने बर्ध के साथ-साथ और भी झुकता चला गया और फिलहाल एक तरफ टिका हुआ है। एक जूनियर नाविक को छोड़कर सभी कर्मियों का पता लगा लिया गया है जिसकी तलाश जारी है। दुर्घटना की जांच के लिए भारतीय नौसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।



क्या है ओलंपिक ऑर्डर सम्मान

ओलंपिक ऑर्डर आईओसी का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। यह उस व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिसने अपने कार्यों के माध्यम से ओलंपिक आदर्श को दर्शाया हो, खेल जगत में उत्ल्लेखनीय योग्यता हासिल की हो, या ओलंपिक के लिए अपनी

ओसीए के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने को तैयार रणधीर सिंह

नई दिल्ली : पूर्व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने की राह पर हैं क्योंकि आठ सितंबर को होने वाले चुनाव में वह शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार बचे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के पूर्व सदस्य और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व महासचिव 77 साल के रणधीर अभी महाद्वीप की शीर्ष ओलंपिक संस्था के कार्यवाहक प्रमुख हैं। ओसीए ने बयान में कहा, ओसीए चुनाव आयोग पुष्टि कर सकता है कि ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह आठ सितंबर 2024 को ओसीए आम सभा के चुनाव के लिए नामित होने वाले एकमात्र उम्मीदवार हैं। बयान के अनुसार, न्यायमूर्ति रोहिंटन नरीमन (भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश) की अध्यक्षता में चुनाव समिति ने आज ओसीए संविधान, चुनाव नियमों और दिशा निर्देशों के अनुसार ओसीए के सदस्य एनओसी (राष्ट्रीय ओलंपिक समिति) द्वारा 21 जुलाई 2024 की समय सीमा तक प्रस्तुत सभी नामांकित उम्मीदवारों के सीवी और पात्रता आवश्यकताओं की समीक्षा करने के लिए बैठक की। इसमें कहा गया, समिति ने सर्वसम्मति से सिंह के नामांकन को मंजूरी दे दी, जिन्हें भारत के एनओसी द्वारा नामित किया गया था और ओसीए के 27 सदस्य एनओसी द्वारा समर्थित किया गया था।



व्यक्तिगत उपलब्धि या खेल के विकास में अपने योगदान के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाएं दी हों। इसके नामांकन ओलंपिक ऑर्डर कार्डसिल द्वारा प्रस्तावित किए जाते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा उन पर निर्णय लिया जाता है।

बिंद्रा ने 2008 में जीता था स्वर्ण

41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता जीतकर भारत के पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण

पदक जीता था। वह 2010 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट समिति के सदस्य थे। 2014 से इसके अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। वह 2018 से आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य हैं।

उपायुक्त ने की जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक, दिए निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त नैसी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में माइनिंग टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि खनन विभाग की समीक्षा प्रत्येक माह की जाती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सभी अधिकारी गंभीरता पूर्वक कार्यों को अंजाम दें। राज्य स्तर पर खनन विभाग की गहन और गंभीरता से समीक्षा की जाती है। इसलिए तत्काल प्रभाव से अवैध खनन, कोयला और बालू उठाव के मामलों पर प्रभावी कारवाई सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने एनजीटी के तहत निहित प्रावधानों के अनुरूप अंचल व अनुमंडल स्तर पर उक्त वाहनों के



परिचालन पर सख्ती से निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिले में कुल

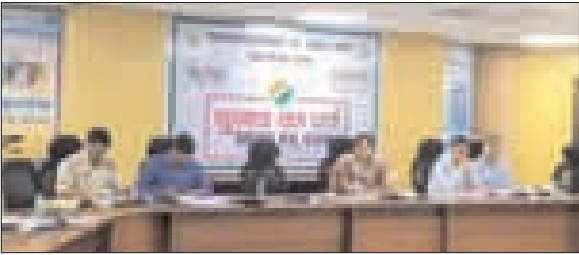
9 चेकपोस्ट संचालित हैं ताकि किसी भी क्षेत्र से हो रही अवैध

बालू और कोयले की ढुलाई पर नकेल कसी जा सके। इसलिए यह

सड़क सुरक्षा समिति गंभीरता से करें काम : उपायुक्त

नव प्रदेश संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने कहा कि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाएं, ट्रैफिक जाम, रॉन्ग साइड पर चलने वाले वाहन, शहरी क्षेत्रों और राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क अवरुद्ध करने वाले आवारा व पालतु पशुओं तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सड़क सुरक्षा समिति गंभीरता से काम करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए नगर निगम, परिवहन कार्यालय, यातायात पुलिस, आरसीडी, एनएच, एनएचएआई सहित अन्य विभाग समन्वय बनाकर व्यवस्था को ठीक करने के लिए कारगर



कदम उठाए। साथ ही सभी मोड़ और चौराहों पर ऑटो, ई रिक्शा व अन्य वाहनों के पार्किंग पर प्रतिबंध लगाने तथा सड़क पर अवैध कट को बंद करने का भी उपायुक्त ने निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशु, रॉन्ग साइड पर चलने वाले वाहन, अवैध कट से निकलने वाले वाहनों के कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। कई दुर्घटना में परिवार खत्म हो जाते हैं। यह बहुत दर्दनाक और

संवेदनशील है। इसके प्रति गंभीरता बरतते हुए सभी विभाग कम करें। बैठक में गोविंदपुर और निरसा में सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाने, कोर्ट मोड़ तथा सरायढेला स्टील गेट में सड़क जाम को दूर करने, जोड़ापीपल मोड़ के पास रंबल स्ट्रिप लगाने, गोविंदपुर मोहन पेट्रोल पंप के पास डिवाइडर में क्रासिंग के दोनों ओर रंबल स्ट्रिप लगाने, झरिया से डिगवाडीह रोड में बने स्पीड ब्रेकर्स पर पेंट करने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए लगातार समिति द्वारा काम किया जा रहा है। जिसके तहत 18 ब्लैक स्पॉट में नियमित सुधार किया गया है। सुधार के बाद 13 स्थान ब्लैक स्पॉट के दायरे से बाहर हो गए हैं। छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालयों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अलावा जिला परिवहन कार्यालय, मोटर व्हीकल इंसपेक्टर तथा डीसीपी ट्रैफिक द्वारा लगातार वाहनों की जांच की जा रही है। जिसके अंतर्गत जून 2024 में 1947 वाहनों की जांच की गई। इसमें से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1448 वाहनों से 44 लाख रुपए से अधिक राशि दंड के रूप में वसूली गई।

आवश्यक है कि चेकपोस्ट पर सख्ता निगरानी की जाए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को उनके क्षेत्रों में हो रहे बालू और कोयले के अवैध परिवहन पर रोक लगाने की चेतावनी देते हुए अंकुश लगाने का कड़ा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अवैध माइनिंग करने वाले लोगों पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। सघन चेकिंग अभियान चलाने के साथ पुलिस और जिला प्रशासन के संबंधित विभागों को खनन, वन, परिवहन, प्रदूषण, कारखाना क्वालों के एक्ट के तहत समेकित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध खनन, परिवहन में सलिल वाहनों, माफियाओं पर हर सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई करें। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को नियमित

रूप से अवैध परिवहन के विरुद्ध जांच अभियान चलाने एवं नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिले के बंद पड़े खदानों में अवैध माइनिंग पर सख्ती से कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने एनजीटी के गाइडलाइन का गंभीरता से पालन करने तथा लगातार पुलिस अधिकारी को अपने क्षेत्र का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध बालू एवं कोयले के परिचालन में सख्ती से नियमित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी शैलेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी अजीत कुमार, डीटीओ बैद्यनाथ कामठी, एसडीपीओ, डीएसपी और सभी पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

एक करोड़ 19 लाख रुपये मूल्य का अफीम डोडा जब्त, चार गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

खूंटी। खूंटी-तमाड़ मुख्य पथ पर अड़की थानांतर्गत मधुकमपीड़ी गांव के पास रविवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान एक पिकअप वाहन (जेएच 01बीआर-7471) से 45 बोरों में भरे 791 किलोग्राम से अधिक अवैध डोडा को पुलिस ने वाहन सहित जब्त कर लिया। वाहन पर सवार दो आरोपितों सहित कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में सायको थानांतर्गत डाउडीह गांव के सिंगराय पाहन (24), हितडीह गांव के सिंगा मुंडू (20), किताहातू गांव के जगमोहन गुंडा तथा बुंदू थाना के पंगुरा चवन निवासी निपुण मांझी शामिल हैं। इस संबंध में अड़की थाने

में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संबंध में एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि पकड़े गए अफीम डोडा का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य एक करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक है। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञापित में बताया गया कि एसडीपीओ को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में अवैध डोडा को खूंटी से तमाड़ होते हुए बुंदू की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक के नेतृत्व में एक छापामार टीम का गठन किया गया। छापामार टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात लगभग पौने दो बजे अवैध डोडा से लदे उक्त पिकअप वाहन को पकड़ लिया।

संस्कार भारती रांची महानगर की नयी पहल : गुरुओं का सम्मान उनके द्वार

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की रांची महानगर इकाई की ओर से रांची में गुरुओं का सम्मान उनके द्वार पर किया गया। इस अवसर पर रांची के प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक केदार पांडे,वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि हरेराम त्रिपाठी, चेतन जी तथा संगीत की दुनिया के प्रसिद्ध गजल एवं सुगम गायन के चिह्ने सुजान पंडित का रंगी,चंदन एवं दीप जलाकर पूजन तथा आरती कर इन लोगों का शॉल, पुष्प, श्रीफल एवं फलों से सम्मान किया गया। गुरु शिष्य परंपरा को अक्षुण्ण रखने के संस्कार भारती रांची महानगर के इस पहल को तीनों गुरुओं ने प्रशंशनीय कार्य बताया और यह भी कहा कि संस्कारों के संस्थाहक संस्कार भारती रांची के द्वारा इस तरह के कार्यों से सामाजिक



समरसता को स्थापित करने में सहायित्व होगी। उन्होंने संस्कार भारती के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्कार भारती रांची की ओर से संस्कार भारती झारखंड प्रान्त के अध्यक्ष सुशील अंकन, नाट्य संयोजक राकेश रमण, एवं संस्कार भारती रांची महानगर के उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद, मंत्री शशिकला पौरीपाकि, कोषाध्यक्ष अनूप कुमार मजुमदार एवं प्रबंध कारिणी सदस्या कुमकुम गौड़ उपस्थित थीं। सदस्यों

के अनुरोध पर संगीत गुरु सुजान पंडित ने गजल एवं गीत को स्वर देते हुए सराफ के दशक में अपनी गायकी के बिखेरे गए रंगों को जीवन्त कर दिया। उनकी आवाज में आज भी वही लोच, बहाव, खनक एवं साधना की निरंतरता का प्रवाह दिखा, जो उनके प्रारंभिक दौर के गायन में था। संस्कार भारती रांची महानगर के सदस्यों ने आगामी वर्षों में रांची के अन्य विद्याओं के कला गुरुओं को सम्मानित करने का संकल्प लिया।

झारखंड वॉलीबॉल संघ ने की वार्षिक कैलेंडर की घोषणा

नव प्रदेश/रांची। झारखंड के पुराने विधानसभा सभागार में झारखंड वालीबाल संघ की वार्षिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिला संघ एवं सीआईएसएफ ने भाग लिया। झारखंड वालीबाल संघ की इस वार्षिक बैठक में पूर्वनिर्धारित बिंदुओं पर क्रमवार विस्तृत चर्चा की गई एवं वर्ष 2024-25 के वार्षिक कैलेंडर की भी घोषणा की गई। चूंकि भारतीय वॉलीबॉल संघ का मामला उच्च माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए किसी राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया जा रहा है, परंतु अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु टीम के गठन हेतु समय-समय पर खिलाड़ियों के लिये एडहॉक किमिटि द्वारा चयन ट्रायल का आयोजन किया जाता है। अतः खिलाड़ियों को मुकम्मल तैयारी हो सके इसलिए राज्य की सभी प्रतियोगिताओं के आयोजन पर चर्चा की गई। इस बैठक में सोनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता, पूर्वी सिंहभूम जिला वॉलीबॉल संघ, जमशेदपुर में, मिनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता गुमला जिला वालीबाल संघ, गुमला के तत्वाधान में, सब जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता लातेहार जिला वालीबाल संघ के तत्वाधान में तथा यूथ वॉलीबॉल प्रतियोगिता पलामू जिला वालीबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित कराये जाने का भी निर्णय लिया। सभी जिला संघों से इसकी तैयारी प्रारंभ कर देने के लिए भी निर्देशित किया गया। इस बैठक में झारखंड वालीबाल संघ के द्वारा सुनील तिवारी को सुनील सहाय लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया, वहीं दो प्रशिक्षकों सूरज प्रकाश लाल एवं विश्वनाथ सिंह को शेखर बोस, सवश्रेष्ठ प्रशिक्षक सम्मान तथा पलामू जिला वालीबाल संघ को इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ जिला का अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय, सचिव शेखर बस वाइस प्रेसिडेंट हरेंद्र नारायण, कोषाध्यक्ष उत्तम राज सहित रांची, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, पलामू, गढ़वा, लातेहार, रामगढ़, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, गिरिडिह, दुमका, जामताड़ा, देवघर, गोड्डा तथा सी0आई0एस0एफ0 के प्रतिनिधि सम्मिलित हुये।

एक नजर

चांपी में बाबा भोलेनाथ का सामूहिक जलाभिषेक



नव प्रदेश/खूंटी। वनवासी कल्याण केंद्र के तत्वाधान में जिले के कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग चांपी ग्राम स्थित शिवलिंग का जलाभिषेक किया गया। आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों ने सामूहिक जलार्पण कार्यक्रम में भाग लिया। बाबा के भक्तों ने नदियों और सरोवरों का पवित्र जल लेकर पूरे चांपी गांव का भ्रमण किया। लोगों ने भगवान भोलेनाथ और इंद्र भगवान से अच्छी बारिश के लिए प्रार्थना की। प्रांत के श्रद्धा जागरण प्रमुख मुसाफिर विश्वकर्मा ने कहा कि सामूहिक रूप से जल चढ़ाने से भगवान अति प्रसन्न होते हैं। हमारी सभी मनोकामना पूरी करते हैं। कार्यक्रम में बनवासी कल्याण केंद्र की उपाध्यक्ष सीमा देवी, जिला संगठन मंत्री साधो मुंडा, सुधीर सिंह, नरेंद्र सिंह, हरि बर्द्वाइक, भोला सिंह, जगन्नाथ, क्रांति सिंह, रेशम देवी, इतवारी देवी, देवमाला देवी, चुड़ामणि देवी, लक्ष्मण सिंह आदि उपस्थित थे।

सावन की पहली सोमवारी पर भक्तों की उमड़ी भीड़



हजारीबाग। भगवान शिव की आराधना का महीना सावन सोमवार से शुरू हो चुका है। सावन की पहली सोमवारी को लेकर शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। पहली सोमवारी के कारण शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़ देखते ही बन रही थी। हर हर महादेव की गूंज से पूरा शिवालय गूंज उठा। अपने आराध्य के पूजन-अर्चन के लिए शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। पहली सोमवारी के अवसर पर शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तो कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है। जिले के बुढ़वा महादेव, पुलिस लाइन, हुडहुरू, नुग, ओकनी, शिवपुरी सहित कई शिवालयों में शिव भक्तों की भीड़ देखी गई।

फंदे से झूलकर ग्रामीण ने की खुदकुशी

नव प्रदेश/खूंटी। मुरहू थानांतर्गत पेलोल गांव निवासी नेल्सन टोपनो (42) ने रविवार की देर रात अपने घर के बाहर बरामदे में रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मुरहू थाना की पुलिस को मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया। सोमवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे स्वजनों को सौंप दिया गया। समाचार लिखे जाने तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। इस संबंध में मुरहू थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है।

वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

नव प्रदेश/खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के दियाकिल गांव के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक (32) की मौत हो गयी। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पायी है। जानकारी के अनुसार घटना रविवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार युवक पैदल ही सड़क किनारे से कहीं जा रहा था। उसी बीच अज्ञात वाहन ने उसे धक्का मार दिया। सूचना पाकर तोरपा पुलिस घटनास्थल पहुंची तथा शव को थाना ले आई। सोमवार को उसका पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को शीतगृह में रखा गया है।

आर्ट ऑफ गिविंग की झारखंड इकाई की एक वार्षिक बैठक

नव प्रदेश/रांची। झारखंड विधानसभा सभागार के समीप गाला बैंक्वेट हॉल में आर्ट ऑफ गिविंग के झारखंड इकाई की एक वार्षिक बैठक आयोजित की गई। जिस बैठक में पूरे वर्ष आर्ट ऑफ गिविंग के अंतर्गत किये गये सामाजिक कार्यों एवं 17 जून 2024 को पूरे राज्य में आयोजित आर्ट ऑफ गिविंग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के संबंध में वार्ता की गई। बैठक के दौरान आर्ट ऑफ गिविंग भुवनेश्वर की ओर से वीडियो के माध्यम से एक प्रस्तुति तथा आर्ट ऑफ गीविंग की झारखण्ड शाखा के द्वारा पूरे राज्य में किये गये आयोजन के संबंध में निर्मित प्रस्तुति दी गई जिसे हॉल में उपस्थित सभी लोगों के द्वारा सराहा गया। इस बैठक में शेखर बोस, सचिव आर्ट ऑफ गिविंग, झारखण्ड शाखा के द्वारा आगन्तुकों का विशेष कर प्रो डॉ अच्युता समान्त का झारखण्ड की सरजमीं पर स्वागत करते हुये इसे एक नया अध्याय बताया। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष सुबोध कान्त सहाय ने किट, किस विश्वविद्यालय एवं आट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रोफेसर डॉक्टर अच्युत सामान्त का स्वागत करते हुए उनके इस बैठक में भाग लेने को एक बहुत बड़ा दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आर्ट ऑफ गिविंग की झारखंड शाखा के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के पश्चात झारखंड शाखा के सदस्यों का मनोबल बना है और वही कारण है कि सर्व प्रपेफर अच्युता रहे सामंत वहां उपस्थित है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रो. डॉ अच्युत सामंत का स्वागत झारखंड के पारंपरिक गीत एवं नृत्य से किया गया। झारखंडी बालाओं ने तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। आज के कार्यक्रम में आर्ट ऑफ गिविंग की झारखंड शाखा के द्वारा उन्हें समाज सेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सचिव-शेखर बोस, अध्यक्ष, सुबोध कान्त सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष-सुनील सहाय एवं अर्ट ऑफ गिविंग की झारखण्ड, शाखा के सभी सदस्यों के द्वारा उनकी सोच को इतनी ऊंचाई तक ले जाने का प्रयास करने पर साधुवाद दिया। उन्होंने इस अवसर पर झारखंड में भी अपनी सोच को जिसमें गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा मिल सके के लिए सतत प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रो (डॉ0) अच्युत सामंत आर्ट ऑफ गिविंग झारखण्ड, शाखा के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों उल्लेखनीय कार्य करने वाले सम्मानित व्यक्तियों को म्मानित भी किया जिसमें झारखंड सीआईएसएफ के समोदय, हेरेंद्र नारायण, पत्रकार सुर्दे सोन, सरदार इंद्रजीत सिंह, मानस सिन्हा, तापस चक्रवर्ती, डॉ मधुकर्त पाठक, विश्वनाथ सिंह, भोलानाथ सिंह, डॉन बॉस्को स्कूल मैक्लुस्कीगंज के प्राचार्य टीडी जोशी, जगदीश सिंह जगु, निर्मल कृष्ण देव, प्रमोद कुमार एवं माववाड़ी सहायक समिति को खेल एवं समाज कल्याण हेतु किये कार्य के लिये लाईफ टाईम अचिवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। आज की इस बैठक में किट किस विश्वविद्यालय एवं आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रोफेसर डॉक्टर अच्युत सामंत जी, आर्ट ऑफ गिविंग झारखंड यूनिट के अध्यक्ष सुबोध कान्त सहाय, सचिव शेखर बोस, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय एवं आर्ट ऑफ गिविंग, भुवनेश्वर के समन्वयक डॉक्टर गगनेंद्र दास सहित झारखंड वालीबाल संघ एवं झारखंड आट ऑफ गिविंग झारखंड शाखा के सभी पदाधिकरी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जांचो अभियान 25 जुलाई को

नव प्रदेश/खूंटी। मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, 2024 का कार्य चल रहा है। इसके तहत 25 जुलाई को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन का कार्यक्रम निर्धारित है। आगामी विधानसभा चुनाव, 2024 के मंदेनजर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से नाम जांचो अभियान का संचालन करने का निर्णय झारखंड निर्वाचन आयोग द्वारा लिया गया है। इसके आलोक में नाम जांचो अभियान का प्रारम्भ संपूर्ण राज्य में सभी मतदान केन्द्रों पर 25 जुलाई को दोपहर 12.00 से 01.00 बजे तक किया जाएगा। अभियान के तहत खूंटी जिले के प्रत्येक मतदाता से जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा अपील की गई ह कि वह अपना नाम मतदान केन्द्र पर जाकर प्रारूप प्रकाशित मतदाता सूची से या ऑनलाइन वोटर्स हेल्पलाइन एप या मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड के वेबसाईट या वोटर्स सर्विज पोर्टल के माध्यम से जांच कर संतुष्ट हों कि उनका नाम संबंधित मतदान केन्द्र की मतदाता सूची में दर्ज है।

25वां तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले का शुभारंभ

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वाधान मे 25 वां तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेला का शुभारंभ सोमवार को महाराजा अग्रसेन भवन मे किया गया। सावन मेले का उद्घाटन अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल, मुख्य अतिथि प्रवीणा परब, विशिष्ट अतिथि आर्मी दंत चिकित्सक प्रियंका राठौर एवं आर्मी स्कूल की प्रिंसिपल मंजू ढाका ने दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर की। मौके पर उर्मिला पाड्डिया ने गणेश वंदना की। सावन मेले में आए सभी आगंतुक अतिथियों का अभिनंदन व स्वागत अग्रवाल सभा के वरीय उपाध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री मनोज कुमार चौधरी, अग्रवाल महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल, सावन मेले की संयोजिका अलका सरावगी ने पुष्प गुच्छ, पौधे, स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र पहनाकर किया।

मुख्य अतिथि प्रवीणा परब ने कहा कि यह मेला अद्वितीय महिलाओं की अद्वितीय शक्ति का प्रतीक है। महिलाओं ने अपनी सृजनता और मेहनत से अपनी पहचान बनाई है।



महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। महिलाओं को उच्च स्तर पर ले जाना चाहिए और उनको शिक्षा के स्तर पर आत्मनिर्भर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि अपनी फौज की सभी बहनों को भी आत्मनिर्भर बनाने की शुरूआत की है। मौके पर मेले की उद्घाटनकर्ता नीरा बथवाल ने कहा कि वर्ष 1998 से सावन महोत्सव की शुरूआत की गई थी। इस वर्ष समिति सावन मेले का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। मेले का मुख्य उद्देश्य घर से काम करने वाली उद्यमी महिलाओं को एक प्लेटफार्म देना था, जहां से वह अपनी पहचान बना सके। इसका उद्देश्य आत्म विश्वास में वृद्धि और एक दूसरे से सीखने व सहयोग कर आत्मनिर्भर होना है। इस दौरान

विशिष्ट अतिथि मंजू ढाका ने अपने सुमधुर वचनों से स्टॉल वाली सभी बहनों को बहुत प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि प्रियंका राठौर ने कहा कि औरतों के लिए फाइनेंशियल इंडिपेंडेंट होना बहुत जरूरी है। उन्होंने स्टॉल लगाने वाली सभी बहनों को शुभकामनाएं दी। वहीं अग्रवाल सभा महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल एवं मेले की संयोजिका अलका सरावगी ने कहा कि सावन मेला मे 100 से भी अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। तथा मेले में दूसरे दिन महिलाओं द्वारा सावन सिंधारा का भव्य आयोजन किया गया है। मेले के समापन में समिति द्वारा बेस्ट स्टॉल को पुरस्कृत किया जाएगा उक्त जानकारी देते हुए अग्रवाल

सभा के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार केडिया, ओमप्रकाश प्रणव, विश्वनाथ जाजोदिया, राजेंद्र केडिया, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, मनोज चौधरी, अशोक नारसरिया, चंडी प्रसाद डालमिया, सुनील पोद्दार, पवन पोद्दार, नरेश बंका, विजय खोवाल, सुरेश चौधरी, संजय सर्राफ एवं अग्रवाल महिला समिति की रूपा अग्रवाल, गीता डालमिया अंशु नेवटिया, अलका सरावगी बिना बूबना, मंजू केडिया, मधु सराफ, सरिता अग्रवाल, रीना सुरेखा, प्रीती पोद्दार मंजू गाड़ोदिया, बीना मोदी, सीमा पोद्दार, शोभा हैतमसरिया, छाया अग्रवाल, प्रीती बंका, उर्मिला पड्डिया, लक्ष्मी पाटोदिया, सीमा टांटिया, सुनैना लोयलका, प्रीती फोगला, शशि डागा, सुष्मा पोद्दार, बबीता नारसरिया, अलका अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, स्वर्णालता जैन, करुणा अग्रवाल, मीरा टिबेरवाल, प्रीति केडिया, जया बिजावत, सुधा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल आदि बहने उपस्थित थे।



संपादकीय



अमेरिकी चुनाव का समीकरण

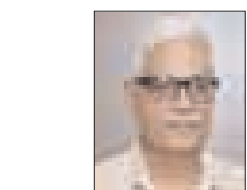
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वहां होने वाले चुनाव से अपना नाम वापस लेकर सियासी हलचल बढ़ा दी है। रिवकार को अमेरिका में चुनाव का समीकरण अचानक बदला, जब जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद की वेटुड से अपना नाम वापस ले लिया। अमेरिका में पिछले 75 वर्षों में केवल दो ही राष्ट्रपति हुए थे, जिन्होंने चुनावी साल में दोबारा चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। ये राष्ट्रपति थे हैरी एस. ट्रूमैन और लैंडन बी. जॉनसन। दिलचस्प है कि ये दोनों डेमोक्रेट थे। इस कतार में अब जो बाइडन तीसरे राष्ट्रपति होंगे। अभी तक मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला था। हालाँकि, अपनी पार्टी डेमोक्रेट में घटते समर्थन के बीच बाइडन ने अपने कदम वापस ले लिये। कई दिनों से इस बात के कयास भी लगाये जा रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व स्पीकर नैससी पेलोसी ने व्यक्तिगत तौर पर इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि बाइडन के लिए डोनाल्ड ट्रंप को हरना मुश्किल हो गया है। इस बीच राष्ट्रपति बाइडन ने कमला हैरिस को नये राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन कर दिया है। हालाँकि, पार्टी के दूसरे दिग्गज नेता और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अभी अपने पते नहीं खोले हैं। दोनों ही मामलों में उम्मीदवारी संभालने वाले नये डेमोक्रेट नेताओं एडले स्टीवेंसन और ब्लूवर्ट हम्प्री को रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों से चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। स्टीवेंसन उस समय इलिनोइस राज्य के गवर्नर थे, जबकि हम्प्री उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर थे। मार्च 1952 में ट्रूमैन और मार्च 1968 में जॉनसन ने खुद को लड़ाई से बाहर कर लिया था। हालाँकि, विशेषज्ञों का मानना है कि 1950 के दशक के शुरुआत और 1960 के दशक के अंत में राजनीतिक पृष्ठभूमि बहुत अलग थी। बहरहाल, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया चार चरणों में होती है। इसमें पहला चरण प्राइमरी और कॉकस चुनाव का होता है। प्राइमरी (इसका संचालन निर्यमित पोलिंग स्टेशन पर होता है) और कॉकस (एक तरह की स्थानीय बैठक) दो तरीके हैं, जिससे लोग राज्यों और राजनीतिक ब्लॉकों को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चुनने में मदद करते हैं। जो बाइडन ने भले ही दोबारा राष्ट्रपति चुनाव न लड़ने का एलान कर दिया है, लेकिन अभी भी वह डेमोक्रेट्स के आधिकारिक उम्मीदवार नहीं थे। डेमोक्रेट्स 19 से 22 अगस्त तक शिकागो में अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का औपचारिक रूप से चयन करने के लिए जुटेंगे। प्राइमरी चुनाव में जीत के बाद बाइडन का उम्मीदवार बनना लगभग तय था। डेमोक्रेटिक राष्ट्रीय समिति ने सम्मेलन से पहले डेलेगेट्स को रोल कोल के जरिए बाइडन को वर्चुअल रूप से उम्मीदवार चुनने की योजना बनायी थी। हालाँकि, नई योजनाएं अभी तक जारी नहीं की गई हैं। बाइडन की दाम्पत्यी छोड़ने के बाद डेमोक्रेट्स में नए चेहरे को लेकर कश्मकश शुरू हो गया है। हालाँकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सबसे प्रमुख मानी जा रही हैं, जिनका समर्थन खुद राष्ट्रपति बाइडन ने भी किया है। वह पहली महिला अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। कमला हैरिस के उम्मीदवार बनने से समीकरण बदल जायेगा और संभव है कि डोनाल्ड ट्रंप को भी अपनी रणनीति बदलनी पड़े।

सामयिकी

देश में बढ़ रही कुतर्क की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में सकारात्मक दिशा के अभाव में देश को जो नुकसान उठाना पड़ता है, वह भले ही प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं दे, लेकिन उससे समाज पर प्रभाव अवश्य ही होता है। अगर यह प्रभाव नकारात्मक चिंतन की धारा के प्रवाह को गति देने वाला होगा तो देश को भी अपने अस्तित्व के लिए जुझना पड़ता है। वर्तमान में जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, उसे भटकाव पैदा करने वाली राजनीति कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं, जो विषय राजनीति के नहीं होने चाहिए, उनको भी राजनीतिक दल राजनीति के दलदल में ले जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के किसी भी नियम का अपने हिस्सेब से परिभाषित करना राजनीति का प्रिय विषय बनता जा रहा है। इससे प्रत्यः मूल विषय बहुत पीछे छूट जाता है और बहस कहीं और चली जाती है। आज के राजनीतिक वातावरण का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि सभी राजनीतिक दलों के अपने अपने पंजे हैं। कोई भी किसी दूसरे की बात को ऐसे तर्क देकर उसका प्रश्रान्तन करते हैं, जैसे केवल उनकी ही बात सही है और बाकी सब गलतबयानी कर रहे हैं। हालांकि यह बात सही है कि कमी सभी जगह होती है, लेकिन कुछ अच्छे काम भी होते हैं। आज इन अच्छे कामों की चर्चा कहीं भी नहीं हो रही है। सबका एक-दूसरे की गतिविधि निकालने में ही राजनीति का मुख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। यह राजनीति की सकारात्मक दिशा तो काई नहीं मानी जा सकती। हाइड्र इस नकारात्मक राजनीति अवश्य कहा जा सकता है। ऐसी राजनीति आम जनता में भटकाव पैदा करती है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि जो जनता सरकार के विरोध का विचार रखती है, वह विपक्ष की हर बात को सही मानकर ही व्यवहार करेगी और जो विपक्ष की बातों पर भरोसा नहीं करती, उसे सत्ता पक्ष की बात मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वास्तव में ऐसी राजनीति के बजाय देश हित की राजनीति करने की और सभी दलों को आम आना चाहिए। लेकिन आज के वातावरण में ऐसा होना संभव नहीं लगता। क्या यह सही नहीं है कि देश में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है, लेकिन विपक्ष इस बहुमत वाली सरकार को पराजित सरकार कहकर लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहा है। हालांकि यह मानने में कोई अतिरेक नहीं है कि विपक्ष पहले से मजबूत हुआ है, लेकिन वह विपक्ष में ही है। इसको भी खुले मन से स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी, तभी हम कह सकते हैं कि राजनीति देश को सही दिशा में ले जाने की हो रही है। आजकल समाचार के विभिन्न माध्यमों पर सामयिक विषयों पर चर्चा होती है, लेकिन इन चर्चाओं में सभी तरफ से पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्तियों को ही शामिल करने का चलन हो गया है। दूसरे की बात को नकारना ही इन चर्चाओं का एकमेव सिद्धांत बनता जा रहा है। इतना ही नहीं, कोई एंकर अपनी ओर से भारत के चिंतन पर आधारित कोई व्यूथ रखता है तो उस एंकर को भी किसी राजनीतिक दल का समर्थक बनाने में कोताही नहीं की जाती। हो सकता है कि कोई प्रकराक विचारधारा से किसी राजनीतिक दल की बात को सही ठहराने की कोशिश कर रहा हो। क्योंकि आज के समय में अधिकांश प्रकराक और समाचार पत्र किसी न किसी राजनीतिक दल का खुल कर समर्थन करता है तो कोई विरोध की शैली ही अपनाता है। ऐसी प्रकरारिता भी ठीक नहीं कही जा सकती, लेकिन कई समाचार चैनल ऐसे भी हैं जो निष्पक्ष तरीके से बहस करते हैं। यह एंकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से ही बवाल करते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं की ओर से एंकर को खाली के घेरे में खड़े करना ठीक नहीं कहा जा सकता। आजकल जो डिवेट चल रही हैं, उनमें विपक्ष की ओर से यह व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने भाजपा को हरा दिया है। इसके लिए और कोई एंकर विजयी सासंदों की सख्ता बताता है तो तर्क-वितर्क प्रारंभ हो जाता है। यहां तक तो ठीक है, लेकिन जब वह तर्क-वितर्क से आगे बढ़कर कुतर्क की शैली में आ जाता है तो विवाद होने लगता है। राजनेताओं को राजनीतिक लड़ाई केवल दलीय आधार पर करना चाहिए, लेकिन यहां पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अपने तरकस से तीर निकालने का प्रयास किया जाता है। अगर भाजपा का कोई प्रवक्ता तीसरी बार सरकार बनाने की बात को लोकतंत्र की विजय निरूपित करता है तो इसमें गलत क्या है। इसे विपक्ष को खुले मन से स्वीकार करने में हिचक क्यों हो रही है।



गिरीश्वर मिश्र

यदि हम विद्यालय स्तर के लिए बढ़ाया गया बजट अगर अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है तो निकट भविष्य में उच्च शिक्षा पर निवेश बढ़ाना अपरिहार्य हो जाएगा। सरकार को यह भी संज्ञान में लेना होगा कि यदि शिक्षा रुपी लोकवस्तु पर राज्य निवेश नहीं बढ़ाएगा तो इसका लाभ बाजार की ताकतें उठाएंगी।

शिक्षा की बहुआयामी और बहुक्षेत्रीय भूमिका से शादव ही किसी की अहमक्ति हो। यह मानव निर्मित सबसे प्रभावी और प्राचीनतम हस्तक्षेप है जो जीवन और जनत को बदलता चला आ रहा है। समाज के अस्तित्व, संरक्षण और सर्वधन के लिए शिक्षा जेसा कोई सुनियोजित उपाय नहीं है। इसीलिए हर देश में शिक्षा में निवेश वहां की अर्थव्यवस्था का एक मुख्य मद हुआ करता है। आज ज्ञान - विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से विश्व में अग्रणी राष्ट्र अपनी शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। वे शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करने के लिए लगातार सक्रिय रहते हैं और शिक्षा की तकनीकी को उन्नत करते रहते हैं। देश, काल और परिस्थिति की बनती-बिगड़ती मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा के कवरेज में बदलाव उनके लिए एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। साथ ही शिक्षा की सुविधा और प्रक्रिया पूरे समाज के लिए लगभग एक जैसी व्यवस्था स्वीकृत है। ठीक इसके विपरीत सभी पर शिक्षा अनेक विसंगतियों से जुझती आ रही है। लोकहित के व्यापक लक्ष्यों के लिए सरकार और सत्ता आवश्यक है पर भारत में शिक्षा विभेदनकारी हो रही है और परिवर्तन को लेकर शंका और प्रतिरोध है। आज इन सबके चलते क्या प्रवेश क्या परीक्षा हमारी व्यवस्था चरमरा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में ढलान के लगभग लाभकारी नहीं है। परंपरा में शिक्षा, विद्या और ज्ञान की प्राप्ति दुख से निवृत्ति के लिए आवश्यक

माना गई है। साथ ही ज्ञान का विस्तार लौकिक और पारलौकिक दोनों ही प्रकार के ज्ञान को समेटता है। इस पद्धति से ज्ञान देने के लिए गुरु-शिष्य की एक सशक्त प्रणाली विकसित हुई और गुरुकुल से लेकर विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय तक की अद्भुत संस्थाओं का विकास हुआ। उस प्रणाली से पढन-पाठन करते हुए साहित्य, आयुर्वेद, ज्योतिष, कामशास्त्र, नाटयशास्त्र, व्याकरण, योग, न्याय, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, वेद आदि अनेक विषयों का अध्ययन-अध्यापन हो रहा था। आज उपलब्ध ग्रंथों से इन विषयों के पीछे हुई लंबी और कठिन साधना का कोई हवा नहीं है अनुमान लगा सकता है इस व्यवस्था की क्षमता और विलक्षण दृढ़ता का भी पता चलता है कि काल क्रम में सामाजिक और राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन होते रहे फिर भी अपनी आंतरिक शक्ति की बदौलत सब कुछ के बावजूद यह ज्ञान परंपरा आज भी सीस ले रही है। विदेशी आक्रांताओं ने भी यहाँ की देशज शिक्षा में षड़यंत्रकारी दखल दिया। इस का सबसे जटिल और दूरगामी असर अंग्रेजों के जमाने में शुरू हुआ। यह बात प्रमाणित है कि भारत का दोहन और शोषण ही साम्राज्यवादी अंग्रेजी राज का एकल उद्देश्य था। इस काम में पाश्चात्य ज्ञान को वहाँ रोप कर यहाँ की अपनी ज्ञान परंपरा को विस्थापित करने को उन्होंने अपना विशेष सहायक माना। धर्मातरण की तर्ज पर भारतीय मानस को एक नये पश्चिमी सांचे में ढालना और देशज ज्ञान



के प्रति भारतीयों के मन में वितुष्णा का भाव पैदा करना ही अंग्रेजों का उद्देश्य बन गया था। भारतीय मूल के ज्ञान का हाशियाकरण तेजी से शुरू हुआ तथा ज्ञान और संस्कृति के अप्रतिम प्रतिमान के रूप में अंग्रेजियत छाती चलाई। भारतीयों को अशिक्षित ठहरा कर उनके लिए अंग्रेजों द्वारा शिक्षा की जगह कुशिक्षा का प्रावधान किया गया। यह कुछ इस तरह हुआ मानो अंग्रेजी शिक्षा विकल्पहीन है और विकसित होने के लिए अनिवार्य है। परिणाम यह हुआ कि भारतीय शिक्षा के समग्र, समावेशी और स्वायत्त स्वरूप विकसित करने की बात धरी रह गई। हम उसके अंशों में थोड़ा बहुत हेर फेर ला कर काम चलाने रहे। स्वतंत्र भारत में अग्रणी गई शिक्षा की नीतियाँ, योजनाएं और उनका कार्यान्वयन प्रायः पुरानी लौक पर ही अग्रसर हुआ। स्वतंत्र होने के बाद भी पश्चिमी मॉडल के जाल से आज भी हम उबर नहीं पाये हैं। शिक्षा के बाजारीकरण और आजीविका

से उसका रिश्ता एक नये समीकरण को जन्म देने लगा और देशज शिक्षा को पीछे धकेल रहा था और हम अब अचेत तो नहीं पर ध्रुभ्रम में जरूर पड़े रहे। गौरतलब है कि लगभग दो सदी के अंग्रेजी प्रभाव में हमारी संस्थता में भी वेश-भूषा, खान-पान और मनोरंजन आदि में परिवर्तन आया। इन सब का स्वाद बदलने लगा। साथ ही सांस्कृतिक प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप में आरोपित किया जाता रहा। व्यवस्था की जड़ता इतनी रही कि शिक्षा के प्रसंग में उठने वाले सभी सरोकार जैसे देश का विकास, शिक्षा की गुणवत्ता, विभिन्न सामाजिक वर्गों का समावेशन, शिक्षा जगत में स्वायत्तता की स्थापना, शैक्षिक नि्वाचार बातचीत के विषय तो बनते रहे किताब वास्तविकता में अधिकतर यथास्थिति ही बनी रही। संरचनात्मक बदलाव, विषय वस्तु, छात्र पर शैक्षिक

भार, और अध्यापक प्रशिक्षण आदि गंभीर विषयों को लेकर भी असमंजस ही बना रहा। आज प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक इतने पैमाने पर वन रहे हैं और लोकतंत्र के नाम पर इतने तरह की विकृतियाँ पनप गई हैं कि उनसे पता मुश्किल हो रहा है। शिक्षा में तर्द्व्यवाद या एड हाकिम्य का बोलबाला होता गया। आज भारतीय शिक्षा की दुनिया में बड़ी सारी विषमताओं आ गई है। शिक्षा संस्थाओं की अनेक जातियाँ और उपजातियाँ खड़ी हो गई हैं और उनमें अक्सर मिलने की संभावना सबको उपलब्ध नहीं है। पूरी तरह सरकारी, अर्ध सरकारी और स्वचिंतपोषित संस्थाओं की अजीबोगरीब खिचड़ी पक रही है। सबके मानक और गुणवत्ता के स्तर भिन्न हैं। फीस, प्रवेश, पढ़ाई और परीक्षा के तौर तरीके भी भेदेल हैं। सब्को पढ़ाना अभिभावकों के लिए बरसों बरस चलने वाला युद्ध और संघर्ष का सबब बन चुका है। देश को वर्ष 2047 में विकसित करने का बहुध्वारित सन्त्य सभी भारतीयों के लिए बड़ा ही लुभावन लगता है। विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए किसी जादुई छड़ी से काम न चलेगा। उसके लिए योग्य, प्रशिक्षित और निपुण मानव संसाधन की जरूरत सबसे ज्यादा होगी। जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए भी हमें प्रवेश चाहने वाले लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इस दृष्टि से योजना बनानी होगी और बजट में शिक्षा के लिए प्रावधान बढ़ाने की

जरूरत है। अनेक वर्षों से शिक्षा पर देश के बजट में छह प्रतिशत खर्च करने की बात कही जा रही है परंतु वास्तविक व्यय तीन प्रतिशत भी बमुश्किल हो पाता है। कड़वा सच यह भी है कि खानापूर्ति से आगे बढ़कर कुछ करने का अक्सर सिक्कड़ता ही रहा है। हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के महत्वाकांक्षी प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए वित्त की आवश्यकता को स्वीकार करना होगा। फरवरी-मार्च 2024 में प्रकाशित आंकड़ों को देखे तो पता चलता है कि शिक्षा के लिए आवंटित राशि में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फिर भी, यह राशि शिक्षा के लिए अपेक्षित निवेश सीमा 6 प्रतिशत से कम है। ऐसा लगता है कि प्राथमिकता के आधार पर अलग-अलग में मंदो घट-बढ़ कर सरकार वित्तीय नियोजन का उपाय कर रही है। एक तरफ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के बजट को कम किया गया है तो दूसरी तरफ केंद्रीय विश्वविद्यालयों को अधिक राशि आवंटित की गई है। ऐसे ही उन संस्थाओं को जिन्हें सरकार प्रतिष्ठित संस्थान का दर्जा देती है, उसके बजट में भी वृद्धि की है। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में विद्यालयी शिक्षा के बजट में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई। यह राशि समग्र शिक्षा अभियान को गति प्रदान करने का कार्य करेगी। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि विद्यालय स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर शिक्षकों का नियोजन बावित न हो, इसे ध्यान में रखते हुए इस राशि

का उपयोग होगा। इसी तरह पीएम श्री योजना को भी प्राभावी बनाना होगा। सरकार को उच्च शिक्षा में बेहतर और समावेशी अवसर पैदा करने के लिए नए क्षेत्रों में संभावनाओं को तलाशना होगा।

यदि हम विद्यालय स्तर के लिए बढ़ाया गया बजट अगर अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है तो निकट भविष्य में उच्च शिक्षा पर निवेश बढ़ाना अपरिहार्य हो जाएगा। सरकार को यह भी संज्ञान में लेना होगा कि यदि शिक्षा रुपी लोकवस्तु पर राज्य निवेश नहीं बढ़ाएगा तो इसका लाभ बाजार की ताकतें उठाएंगी। इसका दोहरा नुकसान होगा। पहला, शिक्षा के लिए आम आदमी का निवेश बढ़ जायेगा। दूसरा, भारत जैसे देश में समावेशन की गंभीर समस्या पैदा हो जाएगी। यह भी विचारणीय है कि आधुनिक तकनीकी के माध्यम से शिक्षा के प्रसार और विस्तार के लिए भी प्राथमिकता से निवेश करना होगा। सरकार द्वारा संस्थानों से स्व कित पोषण की उम्मीद करना शिक्षा के लोक स्वरूप को क्षति पहुंचाएगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने ले लिए समर्थ मानव पूंजी की तैयारी हेतु वित्तीय आवंटन, नियोजन और अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति के आकलन द्वारा भावी भूमिका के निर्धारण उपगम द्वारा शिक्षा को प्रभावी बनाना होगा।

(लेखक महारा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

एफएसएसएआई की विकास-यात्रा : वर्तमान और भविष्य

एनडीए शासन के दौरान दूसरी बार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री बनने के बाद, पिछले सप्ताह जब मैंने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) का दौरा किया, तो मुझे 2014 में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपने शुरुआती कार्यकाल का स्मरण हो आया। यह वह समय था जब FSSAI खुद को देश के खाद्य-सुरक्षा नियामक के रूप में स्थापित कर रहा था और उस पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के लिए खाद्य मानक और नीतियाँ तय करने की बड़ी जिम्मेदारी थी।

22 अगस्त 2016 को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (FSSA), 2006 के एक दशक पूरा होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जब मैंने पहली बार FSSAI टीम और विभिन्न हितधारकों से मुलाकात की, तो FSSAI का दृष्टिकोण स्पष्ट था। उनका लक्ष्य नीतियों को मजबूत करना, उपरती चुनौतियों का समाधान करना तथा नागरिकों और खाद्य व्यवसायों के बीच सामाजिक और व्यावहारिक परिवर्तन को बढ़ावा देना था। इन पहलों को ईंट राइट ईडिंगा मूवमेंट के तहत खूबसूरती से एकीकृत किया गया है, जिसने सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और सतत भोजन सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र संपूर्ण प्रणाली दृष्टिकोण अपनाया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय और FSSAI हमारे देश के खाद्य-सुरक्षा परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। एक मजबूत खाद्य-सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र केवल मजबूत खाद्य-नीतियों और मानकों की नींव पर ही बनाया जा सकता है। यह जानकर खुशी होती है कि FSSAI के वैज्ञानिक पेलल और विशेषज्ञ समितियों में काफी विस्तार हुआ है, जिसमें 88 संगठनों के 286 विशेषज्ञ शामिल हैं। इससे वैश्विक मानकों के अनुरूप मानकों और नीतियों के विकास की गति में उल्लेखनीय तेजी आई है।

FSSAI की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिलेट के माफ़कों का सृजन है, जिन्हें 2023 में वैश्विक मिलेट (श्री अन्न) सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। ये मानक कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग के साथ साझा किए गए हैं, जिससे मिलेट के वैश्विक मानकों के विकास और भारत को एक अग्रणी

देश के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन उपलब्धियों का उत्सव मनाते समय, हमें वैश्विक स्तर पर उभर रहे रुझानों, जैसे कि प्लांट बेस्ड प्रोटीन, प्रयोगशाला में विकसित मांस आदि को भी स्वीकार करना चाहिए। ऋत्रउत्कन ने नई श्रेणियों, जैसे - वीगन खाद्य पदार्थों, जैविक उत्पादों और आयुर्वेदिक आहार के लिए सक्रिय रूप से मानक विकसित किए हैं और यह खाद्य-सुरक्षा के उभरते रुझानों के अनुरूप निरंतर अनुकूलन कर रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक खाद्य व्यापार का विस्तार हो रहा है, FSSAI कोडेक्स जैसे विभिन्न मंचों पर अंतरराष्ट्रीय नियामकों के साथ साझेदारी कर रहा है। इसका उद्देश्य बढ़ती आबादी के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण

विकसित करना है। FSSAI ने 2023 में दिल्ली में पहला वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन (GFRS) भी आयोजित किया, जो खाद्य नियामकों के लिए उपरती खाद्य-सुरक्षा चुनौतियों के बारे में मिलने और विचार-विमर्श करने के लिए अपनी तरह का पहला सहयोगी मंच है। FSSAI अने वाले महीनों में GFRS के दूसरे संस्करण के लिए तैयार है।

जब हम खाद्य-सुरक्षा पर बात करते हैं, तो उपभोक्ताओं और नागरिकों को साक्ष्य आधारित जानकारी के माध्यम से विभिन्न खाद्य-सुरक्षा मुद्दों पर सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है। तभी हमारा काम समग्रता से पूर्ण होगा। यहीं पर FSSAI का 'ईंट राइट ईडिंगा' अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह सुनिश्चित करके कि उपभोक्ताओं तक हर स्तर पर जरूरी जानकारी पहुंचे। इस परिवर्तनकारी कार्यक्रम को हमारे आउटरीच को मजबूत करने और व्यावहारिक बदलाव को प्रोत्साहित करने के लिए बढ़ाया जा रहा है, जो उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य विकल्पों की मांग करने के लिए सशक्त बनाता है और खाद्य व्यवसायों को बेहतर विकल्प प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। FSSA, 2006 खाद्य-उत्पादों के लिए व्यापक मानकों को अनिवार्य बनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे उपभोग के लिए सुरक्षित हैं। साथ ही, फूड-लेबलिंग के नियम उपभोक्ता को एक सूचित विकल्प (informed choice) बनाने में सशक्त करते हैं। विज्ञापन और दावों के लिए

नीतियाँ यह भी सुनिश्चित करती हैं कि खाद्य व्यवसायों द्वारा खाद्य-उत्पादों पर कोई भ्रामक दावा नहीं किया जा रहा है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (CPA) 2019 उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज करने के लिए पर्याप्त तंत्र प्रदान करके उनके सामने आने वाली आधुनिक चुनौतियों का समाधान करने में सहायक रहा है, विशेष रूप से भ्रामक विज्ञापनों, असुरक्षित या घटिया भोजन से संबंधित शिकायतों के सन्दर्भ में। खाद्य-सुरक्षा एक सामूहिक प्रयास है, और ऋत्रअक विभिन्न सरकारी विभागों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सम्पूर्ण सरकार (whole-of-government) और संपूर्ण प्रणाली (whole-of-system) दृष्टिकोण को अपना रहा है। FSSAI खाद्य-सुरक्षा और स्वास्थ्य पहलों में उद्योग और अन्य हितधारकों को शामिल करके एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।

FSSAI ने पिछले दस वर्षों में भारत की खाद्य-सुरक्षा स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बदला है। साथ ही, यह उपरती चुनौतियों का समाधान करने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। FSSAI का लक्ष्य अपनी प्रतिबद्धता और समग्र दृष्टिकोण से भारत को खाद्य-उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खाद्य-सुरक्षा और स्थिरता में भी वैश्विक गुरु बनाना है।

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं)

पौधरोपण करें जरूर, निगरानी करना न भूलें

पौधरोपण परियोजनाएं जलवायु परिवर्तन से निपटने और बिगड़े हुए पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के लिए व्यापक रूप से समर्थित रणनीति के रूप में उभरी हैं। हालांकि, उनकी लोकप्रियता और उनके द्वारा उत्पन्न सड़कना के बावजूद, इन योजनाओं को कई गंभीर मुद्दों का सामना करना पड़ता है जो उनकी प्रभावशीलता को कमजोर करते हैं। पेड़ वातावरण से कार्बन डाई ऑक्साइड को संग्रहीत और हटाकर जैविक कार्बन पृथक्करण में मदद करते हैं। बड़े पैमाने पर पौधरोपण को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान के रूप में देखा जाता है, जिसमें सरकारें, गैर सरकारी संगठन और व्यक्ति शामिल होते हैं। 1950 में, भारतीय कृषिमंत्री ने वन महोत्सव ('पेड़ों का त्यौहार') कार्यक्रम शुरू किया, जिसे हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र ने 2021-2030 को पारिस्थितिकी तंत्र बहाली का दशक घोषित किया है। 350 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि को बहाल करना, पारिस्थितिकी तंत्रों को में \$9 ट्रिलियन का उत्पादन करना और अतिरिक्त 13-26 गीगाटन ग्रीनहाउस गैसों को अलग करना। विभिन्न भारतीय राज्यों में एक दिन में पौधे लगाने के अभियान। विश्व आर्थिक मंच द्वारा 'एक ट्रिलियन परियोजना'। 'चीन की महान हरित दीवार'। पाकिस्तान की '10 बिलियन ट्री सुनामी'। 'बॉन चैलेंज' 2020 तक 150 मिलियन हेक्टेयर और 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करने के लिए। आकर्षक नारे, आकर्षक अभियान और सुविधायें



बटोरने वाले अभियान मीडिया का ध्यान और सार्वजनिक भागीदारी आकर्षित करते हैं। पिछले साल अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ संयुक्त संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत एकमात्र जी 20 देश है जिसने पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। 2024 के राज्यसभा संबोधन में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री ने घोषणा की है कि भारत ने 1।97 बिलियन टन उडउ2 समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक हासिल किया है। शहरों वनों को विकसित करने के उद्देश्य से एक पहल। वन प्रबंधन और संरक्षण के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है। वन/वृक्ष आवरण को बढ़ाने और पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करता है। वन अग्नि की रोकथाम और प्रबंधन को संबोधित करता है। वन भूमि को गैर-वन उपयोगों के लिए मोड़ने के लिए वनीकरण और पुनर्जनन गतिविधियों के लिए धन प्रदान करता है। वनों में कम से कम 10 फीसद छात्र आवरण को चाहिए, पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई 5 मीटर होनी चाहिए और क्षेत्रफल कम से कम 5 हेक्टेयर

होना चाहिए। इस परिभाषा के तहत ऐसे क्षेत्र जहाँ कृषि प्रमुख भूमि उपयोग है, उन्हें वन नहीं माना जाता है। वनों में 10-30 फीसद छात्र आवरण होना चाहिए, पेड़ों की ऊंचाई 2-5 मीटर के बीच होनी चाहिए और क्षेत्रफल कम से कम एक हेक्टेयर होना चाहिए। जलवायु से संबंधित संकटों और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए पौधरोपण एक लोकप्रिय और प्रभावी तरीका है। स्थानीय समुदायों की सीमित भागीदारी। पर्याप्त अनुवर्ती देखभाल और मोनोक्ल्चर को बढ़ावा देने की कमी। स्थानीय पारिस्थितिक संदर्भों और लोगों की भागीदारी की उपेक्षा। घास के मैदानों और जानवरों के आवासों जैसे कुछ स्थानों पर पेड़ लगाने से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है, जंगल की आग की तीव्रता बढ़ सकती है और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ सकती है। घास के मैदानों को पेड़ लगाने के लिए वनों की कटाई या क्षति भूमि नहीं माना जाना चाहिए। ये भूमि अत्यधिक उत्पादक और जैव विविधता वाली हैं, जो पशुधन और लोगों का भरपूर पोषण करती हैं। अकेले पौध लगाना हमेशा अन्य तरीकों, जैसे कि पेड़ों के द्वीप (छोटे-छोटे टुकड़ों में पौधे लगाना) की तुलना में लागत-प्रभावी है। जलवायु समाधान नहीं होता है। भारत के हालिया नीतिगत बदलावों में अंतर्निहित चुनौतियाँ का समाधान करने के लिए आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। रणनीतियों में पर्याप्त वित्त, सक्रिय सामुदायिक भागीदारी और तकनीकी विचारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अभियान, सोशल मीडिया और

प्रोत्साहित सामुदायिक भागीदारी वन पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव लाने में मदद कर सकती है। प्रयासों का उद्देश्य विविध क्षमताओं और क्षमताओं वाले लचीले वन बनाना होना चाहिए। जबकि पौधरोपण पर्यावरण बहाली प्रयासों का एक महत्वपूर्ण घटक है, यह एक अकेला समाधान नहीं है। प्रभावी वन बहाली के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी विशेषज्ञता और निरंतर निगरानी शामिल हो। इन कारकों को संबोधित करके, हम पुनर्वनीकरण पहल को सफलता को बढ़ा सकते हैं और एक अधिक टिकाऊ और लचीली पारिस्थितिकी प्रणाली में योगदान दे सकते हैं। पेड़ों में अपने स्थानीय आवास बदलने की क्षमता रखते हैं। वे नमी के स्तर बढ़ाने का काम करते हैं और वायुमण्डल में ऑक्सीजन की मात्रा भी। पुराने पेड़ विशेष तौर पर अहम माने जाते हैं फिर भी वे तेजी से खत्म हो रहे हैं। अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया इस खतरनाक स्थिति के लिए ज्यादा निगरानी की जरूरत है। पुराने जंगलों और उनके पुराने पेड़ों की मैपिंग और निगरानी करने से संरक्षित क्षेत्रों की प्रभावशीलता और संंधारणीयता का सीधा आकलन हो सकता है। आज हमें पौधे लगाने के बाद उन्हें बचाने की ज्यादा जरूरत है। सोचना होगा कहीं हम नर्सरी में पल रहे शिशु पौधों की जान तो नहीं ले रहें। पौधरोपण पर्यावरण बहाली प्रयासों का एक महत्वपूर्ण घटक है, यह एक अकेला समाधान नहीं है। प्रभावी वन बहाली के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता की जरूरत है।

नारायण आईटीआई के दीक्षांत समारोह में 110 छात्रों को मिला प्रमाणपत्र

ग्रामीण क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं : विजय आनंद मुनका

नव प्रदेश संवाददाता

जमशेदपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चांडिल स्थित नारायण आईटीआई की ओर से रविवार को बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सेप्टी मैनेजमेंट के पासआउट विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन विजय आनंद मुनका थे। सम्मानित अतिथि एसिया के दशरथ उपाध्याय, सीएमडीसी के मनोज सिंह, स्वदेशी जागरण मंच के बंदि शंकर सिंह एवं टाटा स्टील सेप्टी प्रोफेशनल संजय कुमार थे। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक जटाशंकर पांडेय ने की। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। तत्पश्चात संस्थान की ओर से अतिथियों को



बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि विजय आनंद मुनका ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर दीक्षांत समारोह छात्र-छात्राओं के लिए बड़ा सुअवसर है। अपने संबोधन के क्रम में मौजूदा दौर में औद्योगिक शिक्षा एवं कौशल विकास की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि यह संस्थान

ग्रामीण क्षेत्र में औद्योगिक शिक्षा की अलख जगा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना किसी चुनौती के कम नहीं है। समारोह में दशरथ उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को संस्थान से प्राप्त शिक्षा व ज्ञान का जीवन में समुचित उपयोग कर करियर संवारने एवं अपने क्षेत्र, राज्य व देश के

विकास में सहभागी बनने की सीख दी। मनोज सिंह ने भी विद्यार्थियों को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अपने ज्ञान का समाज, राज्य व देशहित में सदुपयोग करने का उपदेश दिया। साथ ही बताया कि संस्थान में नौ तरह के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। दीक्षांत समारोह में संस्थान में संचालित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सेप्टी मैनेजमेंट के 110 छात्र-छात्राओं को लेकर प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। इनमें पांच छात्राएं एवं 105 छात्र शामिल हैं। समारोह का संचालन संस्थान के प्रोफेसर सुदुष्ट कुमार ने किया। इस अवसर पर नारायण आईटीआई के डस्ट्री एसएन ठाकुर, ट्रस्टी अधिवक्ता निखिल कुमार, फैकल्टी मेंबर जयदीप पांडेय, शांति राम महतो समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावकगण एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पहली सोमवारी पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने पत्नी संग की पूजा अर्चना



नव प्रदेश संवाददाता

जमशेदपुर। स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपनी पत्नी सुधा गुप्ता के साथ सावन की प्रथम सोमवारी के पावन अवसर पर भगवान शिव को जल अर्पित किया और राज्यवासियों के लिए खुशहाली और समृद्धि की कामना की। स्वास्थ्य मंत्री पत्नी के साथ पहली सोमवारी के दिन कदमा के रंकिणी मंदिर में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचे थे। इस

दौरान मंदिर में मौजूद पुरोहित ने पूरे विधि-विधान से स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनकी पत्नी को पूजा कराई। मंत्री बन्ना गुप्ता ने शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित किया। अवसर पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि सावन का महीना पवित्र होता है। भगवान शिव हर संकट को हर लेते हैं। सावन के महीने में भोलेनाथ के नाम का जाप करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। भोले शंकर की पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

180 युवा खिलाड़ियों के बीच क्रिकेट कीट का वितरण, डॉ. अजय कुमार ने कहा युवा खेलेगा और पढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा



नव प्रदेश संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने सोमवार को लगभग 180 युवा खिलाड़ियों के बीच क्रिकेट कीट का वितरण किया। मौके पर मीडिया से बात करते हुए डॉ. अजय कुमार ने कहा कि यदि युवा मन लगाकर खेलेंगे और पढ़ेंगे तो निश्चित रूप से देश

आगे बढ़ेगा। देश का युवा वर्ग आज राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विभिन्न स्पर्द्धाओं में देश का नाम रौशन कर रहे हैं। युवा खिलाड़ियों के बीच कीट वितरण करने का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर माहौल और अवसर प्रदान करना है। आज राजनीतिक दल युवा वर्ग को राजनीतिक भ्रमजाल में फंसा कर उन्हें गुमराह कर रहा है। जबकि मेरा स्पष्ट मानना है कि

युवाओं को धर्म और जाति की राजनीति से उपर उठ कर अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए। मेरा प्रयास है कि युवा खिलाड़ी कीट के अभाव में पीछे ना रह जाए। खेल के क्षेत्र में भी बेहतर करियर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेलेंगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया। इस अवसर पर राजा सिंह राजपूत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधि विधान से रुद्राभिषेक संपन्न, हजारों ने ग्रहण किया महाप्रसाद रामार्चा पूजा के बाद रुद्राभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

♦ **संध के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने ग्रहण किया महाप्रसाद**

नव प्रदेश संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरजू राय के बारीडीह स्थित कार्यालय में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भगवान शिव के रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। रुद्राभिषेक संपन्न होने के बाद दोपहर एक बजे से बगल के रामार्चा मैदान में हजारों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए लोग देर रात तक आते रहे। रामार्चा पूजा और रुद्राभिषेक कराने वाले पंडित विनोद पांडेय ने बताया कि सोमवार की सुबह सबसे पहले गौरी-गणेश, वरुण, नवग्रह, मांत्रिका आदि का पूजन किया गया। इसके बाद भगवान का पार्थिव शिवलिंग बनाया गया। फिर उनका आवाहन किया गया। इसके उपरांत विग्रह स्नान कराया गया। दूध, दही, मधु, घी, गन्ने का रस, भांग का रस और पवित्र भस्म को घोल कर शिवजी का स्नान कराया गया। उसके बाद भगवान को भोग लगाया गया। भोग लगाने के बाद उसे ग्रहण करने के लिए प्रभु की पूजा की गई। इसके पश्चात रुद्राभिषेक शुरू हुआ। यह



रुद्राभिषेक दूध, जल, गुड़ मिश्रित जल, गन्ने का रस आदि से किया गया। रुद्रअष्टधायी का पाठ अनवरत चलता रहा। रुद्राभिषेक कोई चार घंटे चला। इसके बाद उत्तर पूजन किया गया। इसमें भगवान जी का पुनः ऋंगार किया गया। रुद्राभिषेक संपन्न होने के बाद शिव जी का प्रसाद वितरित किया गया। रुद्राभिषेक संपन्न होने के बाद कल संपन्न रामार्चा पूजा का महाप्रसाद रामार्चा मैदान में

वितरित किया गया। इस बार रामार्चा पूजा के महाप्रसाद में बक्सर के कुशल कारीगरों द्वारा हाथी कानपुड़ी, आलू परवल की सब्जी, आलू बैंगन की सब्जी, टमाटर की खट्टी-मीठी चटनी और बुंदिया बनाया गया था। प्रसाद ग्रहण करने वालों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पूर्व संचालक सिद्दिनाथ सिंह, जनता दल युनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन सिंह, पूर्व कोरहाना आयुक्त विजय कुमार सिंह, खादी बोर्ड के मनोज कुमार सिंह, जिला परिषद की सदस्य कविता परमार, जेएनएस के डिप्टी टाउन कमिश्नर कृष्ण कुमार, पथ निर्माण विभाग के कार्यकारी अधिकारी दीपक सहाय, उद्योगपति राज कुमार अग्रवाल, टाटा मोटर्स के टाउन एडमिनिस्ट्रेटर रजत सिंह, बीएन सिंह, जुरस्को के प्रबंधक निदेशक ऋतुराज सिन्हा, कारपोरेट सर्विसेज के चीफ प्राप्रथ सिन्हा, टाटा स्टील के बीपीसीएस चाणक्य चौधरी, भाजपा नेता शैलेंद्र सिंह, साहिबगंज के भाजपा नेता अमित कुमार सिंह, पूर्व भाजपा नेता और समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, नेपाली समाज के विजय दमाई, वरिष्ठ नागरिक सेवा संध के शिवकुंजन सिंह, कई महिलाओं के प्रतिष्ठित पुजारी, पटेल समाज के प्रतिष्ठित लोग आदि प्रमुख थे।



पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला पुलिस की एक व्हाट्सएप ग्रुप भी तैयार की गई है। जिसमें पुलिस अधीक्षक से लेकर इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, आरक्षी समेत टाइगर मोबाइल के जवान भी शामिल होंगे। इसके अलावा जिला पुलिस द्वारा व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया जाएगा। जिस पर लोग अपराध संबंधित सूचना पुलिस को देंगे। जिनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। एसपी मुकेश लुनायत ने बताया कि पूरे सरायकेला खरसावां जिले में

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी ने की नई पुलिस प्रहरी पहल की शुरुआत, किया पैदल मार्च अपराध को रोकने पर फोकस करेगी पुलिस

- ♦ **आगलोगों के जारी किया जायेगा व्हाट्सएप नंबर**
- ♦ **अपराध की सूचना देने वालों की पहचान रखी जाएगी गुप्त**

आदित्यपुर। अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस एसपी मुकेश लुनायत ने नई पुलिस प्रहरी पहल की शुरुआत की है। सोमवार को आदित्यपुर थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत ने प्रहरी के तहत आदित्यपुर थाना क्षेत्र में औचक क्राइम चेकिंग के उद्देश्य से पैदल मार्च किया। इन्होंने बताया कि इस पहल में पुलिस मुख्य रूप से अड्डाबाजी, स्कूल कॉलेज के पास छेड़खानी अतिक्रमण समेत, अपराध नियंत्रण से जुड़े विषयों पर फोकस करेंगी। इसमें मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक द्वारा किसी भी थाना क्षेत्र के प्रभारी को औचक निदेश जारी किया जाएगा कि वे अपने इलाके में गश्त शुरू करें।

सिंगर कुंदन गोप से 10 लाख रंगदारी मांगने वाले का भंडाफोड़ पुलिस ने कट्टा व गोली के साथ पांच अपराधियों को किया गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

तिरुलडीह। तिरुलडीह पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले 5 बदमाशों को लूट का योजना बनाते हुए एक देशी कट्टा व दो जौदा गोली के साथ रविवार रात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तिरुलडीह थाना क्षेत्र के पांड्या गांव निवासी गायक कुंदन गोप से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में बंगाल के बाघमुंडी थाना के बाघहंसाल निवासी बादल घोष, चांडिल थाना के घोड़ामेनी निवासी बानेश्वर नामता, राजेश नामता, रांची के तमाड़ थाना के भुईयांनिह निवासी सुनील कुमार महतो एवं तमाड़ थाना के दूआरसीनी निवासी मुगुल पुरान शामिल हैं। एसपी मुकेश लुनायत ने प्रेस वार्ता में बताया कि तिरुलडीह पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लूट का योजना बनाते हुए पांच बदमाशों को



गिरफ्तार कर लिया। जिला के पुलिस कप्तान मुकेश लुनायत ने प्रेस वार्ता के बाद पांचों को न्यायिक हिरासत में सरायकेला जेल भेज दिया। पुलिस कप्तान ने कहा है कि इसमें बादल घोष, बानेश्वर नामता और राजेश नामता का पहले से ही अपराधिक इतिहास रहा है। 18 जुलाई को सिंगर कुंदन कुमार गोप ने तिरुलडीह थाने में आरोपियों के विरुद्ध लिखित शिकायत की थी। कुंदन ने पुलिस को बताया था कि दो

लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद पीड़ित ने अगले दिन मामले की लिखित शिकायत तिरुलडीह थाना में जाकर की थी। लिखित शिकायत के बाद से ही तिरुलडीह पुलिस हकगत में आई और जगह जगह छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल, एक देशी कट्टा दो गोली जब्त किया है।

बैंक ऑफ इंडिया के समक्ष बीजेपी का अनिश्चितकालीन अनशन शुरू



तिरुलडीह। नीमडीह प्रखंड के रघुनाथपुर में बैंक ऑफ इंडिया शाखा के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे। भाजपा नीमडीह पश्चिमी मंडल से चिनिवास महतो, पूर्वी मंडल से वासुदेव सिंह सरदार, सरला महतो, हरिपद सिंह, भीम महतो ने नेतृत्व में अनशन किया जा रहा है। हजारों ग्रामीणों की शिकायतों और परेशानियों के कारण भारतीय जनता पार्टी के नीमडीह पूर्वी और पश्चिमी मंडल ने संयुक्त रूप से 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन करने का निर्णय लिया था। ग्रामीणों का कहना केवाईसी अपडेट नहीं होने के कारण वे अपनी पेंशन, फंड, सरकारी योजनाओं के लाभ और अन्य बैंकिंग सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। इस

संबंध में 19 जुलाई दिन शुक्रवार को निमाडीह रघुनाथपुर के डाक बंगला में एक तैयारी बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें कई प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया था एवं शाखा प्रबंधक को सूचना भी दिया गया था जिस पर कोई पहल नहीं किया गया। अनशन के माध्यम से तीन दिनों के अंदर जमा किए गए केवाईसी फॉर्म को अपडेट करने, बैंक का आयोजन पंचायत स्तर पर कैम लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को समझते हुए केवाईसी अपडेट करने, बैंक में सभी काउंटरों को चालू रखने और अतिरिक्त कार्यों के लिए भी समुचित व्यवस्था करने, एटीएम मशीन को बैंक के बाहर सुविष्ट स्थान पर स्थापित करने और नियमित रूप से चालू रखने की मांग है।

एक नजर

ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस जिला समिति जमशेदपुर महानगर की हुई बैठक



जमशेदपुर (नव प्रदेश)। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस जिला समिति जमशेदपुर महानगर की एक बैठक जिला समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन कुमार श्रीवास्तव के आवास पर वर्मा माइन्स में हुई। जिसमें महिला समिति की गठन की गई। जिसमें महिला अध्यक्ष पल्लवी श्रीवास्तव तथा सुजीता सिन्हा को महासचिव सर्व सहमति से चुना गया। बैठक की अध्यक्षता महिला समिति की संयोजक मीरा रानी ने की। बैठक में सदस्यता अभियान में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। इस बैठक में अध्यक्ष मनोरंजन सिंह, महासचिव अजीत कुमार वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा कुमार आर्यन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष सतीश सिन्हा, पल्लवी श्रीवास्तव तथा सिमी कुमारी वर्मा उपस्थित रहे।

अमर बाउरी को बस्तिर्यों के सर्व सेटलमेंट कराने को लेकर रमेश हांसदा ने सौंपा ज्ञापन



आदित्यपुर (नव प्रदेश)। सोमवार को सर्किट हाउस में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को आदित्यपुर के बस्तिर्यों के सर्व सेटलमेंट कराने को लेकर भाजपा नेता रमेश हांसदा के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। भाजपा नेता रमेश हांसदा ने आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के 51 बस्तिर्यों की बंदोबस्ती करने, जमीन का सर्व सेटलमेंट कराने एवं अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से वर्षों से सरकारी जमीन पर बसी बस्तिर्यों को बंदोबस्त करने, आदित्यपुर नोटिफाइड एरिया में हुए 1983 सर्वे को मान्यता देने, अखिलंब सर्वे सेटलमेंटकरने, सरायकेला-खरसावां जिला में 50 प्रतिशत से ज्यादा जमीन ऑन लाइन पंजी 2 में नहीं बढ़ा है इसको अखिलंब बढ़ाने आदि मांगें शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से अभिजीत दत्त, विशु महतो, महाजन साव, लुक्की सोरेन, पवन महतो, विजेश राव, राजेश गोप, केदार जायसवाल, सुनील साहू, बाबू चंद प्रजापति आदि बस्तीवासी शामिल थे।

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को, अपने-अपने घरों में दीए जलारोंगे समाज



जमशेदपुर (नव प्रदेश)। सारजमदा पुइसी पिंडा की ओर से आगामी 9 अगस्त 2024 शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सुबह 9 बजे ईजीएल मैदान से बाईक महारैली का आयोजन किया जाएगा जो डुमकागोड़ा, गदड़ा, गोविंदपुर तिलका मांझी मुख्य चौक होते हुए बारीगोड़ा, राहरगोड़ा, बावनगोड़ा, सालगाझरी चांदनी चौक से शंकरपुर, जानेगोड़ा, छेलगोड़ा से वापस ईजीएल मैदान तक आएगी। शाम को मुख्य कार्यक्रम सारजमदा पुराना बस्ती स्थित ईजीएल मैदान में आयोजित किया जाएगा जिसमें गांव के मांझी बाबा, मानकी मुंडा, समाजसेवी एवं समस्त ग्रामीण उपस्थित होकर विश्व आदिवासी दिवस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे जिसमें संथाली एवं हो भाषा के लोकगीत और एलबम के कालाकार अपनी प्रस्तुति पेश करेंगे। शाम को सारजमदा पुइसी पिंडा क्षेत्र के सभी आदिवासी समुदाय अपने अपने घरों में दीए जलाकर विश्व आदिवासी दिवस की खुशियां मनाएंगे। ईजीएल मैदान के प्रेक्षागृह स्थित तैयारी बैठक में मुख्य रूप से पुइसी मांझी बाबा लेदेम मुर्मु, निमाई बारके, लखन मुर्मु, भमत मुर्मु, मनोज हांसदा, सुशील कुमार मुर्मु, बाघराय किस्कु, लुगु हांसदा, कृष्णा हेन्ब्रम, दुर्गिया माई, रंजीत हांसदा, धीरेन टुडू, बुद्धेश्वर मुर्मु, रामकंठ टुडू, गोपाल किस्कु, राजेश माई, कुशल टुडू आदि उपस्थित थे।

पहली सोमवार पर अमरप्रीत सिंह काले ने किया जलाभिषेक



जमशेदपुर (नव प्रदेश)। भुईयाडीह, कल्याण नगर स्थित श्री श्री सार्वजनिक शिव हनुमान मंदिर में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने अपनी पत्नी के साथ सावन की प्रथम सोमवारी के पावन अवसर पर भगवान शिव को जल अर्पित कर पूजा अर्चना की एवं सभी के लिए खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सावन की पहली सोमवारी को लेकर मंदिर समिति द्वारा भव्य एवं गरिमामय कलश यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर काले ने कहा कि भगवान शिव को समर्पित, साधना के प्रतीक पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार हार्दिक शुभकामनाएं। महादेव सबके जीवन में कल्याण करें, महादेव के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य आए। इस मौके पर जूनून पांडे, शेखर मुखी, विजय भारती, सुवास गिरी, शिवनंदन साव, निरंजन प्रसाद, शिवधनी साव, नंदलाल, सारदा, राजा, संजीत कुमार, सागर चौबे, सुरज चौबे, अमित भारती, शुभम कुमार, धर्नरंय कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

समाजसेवी खगेन महतो ने किया प्रखंड स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन

ईचागढ़ (नव प्रदेश)। प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक में सोमवार को ईचागढ़ विधानसभा के समाजसेवी खगेन महतो ने अपना प्रखंड स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय का उद्घाटन सेवानिवृत्त शिक्षक नेहरु महतो, समाजसेवी खगेन महतो, संजय मंडल, लम्बोदर महतो, मनोज कुमार महतो, सुभाष चन्द्र महतो आदि ने फीता काट कर किया। कार्यालय उद्घाटन के साथ ही समाजसेवी खगेन महतो विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया। उन्होंने जोर शोर से हर प्रखंड व पंचायतों में जनसंवाद एवं सदस्यता अभियान चलाने का रणनीति पर भी कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि दिन रात लोगों की सेवा के लिए कार्यकर्ता कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे और लोगों की समस्याओं से रूबरू होंगे। उन्होंने कहा कि लगातार क्षेत्र में लोगों का सेवक के रूप में काम करते आ रहे है और आगे भी करते रहेंगे।



ढोढाकोला के अवैध ढ़िबरा खदान में चार दिन पूर्व दो लोग दबे, अब तक नहीं निकाला जा सका शव

नव प्रदेश/डोमचांच। थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढाकोला जंगल में अवैध माइका खदान में चाल धसने से गिरिडीह के तिसरी के एक बाल मजदूर और एक महिला मजदूर को खदान से निकालने की उम्मीद अब खत्म होती दिख रही है। चौथे दिन यानि सोमवार को भी खदान में फंसे दोनों दलित मजदूर संजु भुला और पोलिना देवी के शव को नहीं निकाला गया है. और न तो स्थानीय पुलिस-प्रशासन ने कोई रुचि दिखाई है। बता दें कि चार दिन पुर्व शुक्रवार को डोमचांच थाना क्षेत्र के ढोढाकोला के वन भूखंड में संचालित अवैध खदान में माइका निकालने के क्रम में गिरिडीह के तिसरी प्रखंड के कुंडी गांव की पोलिना देवी और घभणी गांव के कारू भुला चाल धसने से दब गए, 10 वर्षीय पुत्र संजु भुला जर्मींदोज हो गए। सुर्जों के माने तो अवैध खदान संचालकों ने शवों को खदान से निकलवाने की बजाय खदान को भरवाकर दोनों को खदान में ही दफन कर दिया, किंतु पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। या फिर जानकारी मिलने के बाद भी डोमचांच के पुलिस-प्रशासन ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जिसके कारण खदान में फंसे दोनों मजदूरों को चार दिन के बाद भी नहीं निकाला जा सका है। दोनों मृतकों के परिजन प्रशासन की आस में दो दिनों तक ढोढाकोला जंगल स्थित अवैध माइका खदान के पास ही टकटकी लगाए बैठे रहे। लेकिन किसी ओर से कोई उम्मीद नहीं दिखने के बाद संजु भुला के माता पिता व पोलिना देवी के परिजन हार कर व दिल मारकर कुंडी और घभणी गांव स्थित अपने घर लौट आए। इस घटना के बाद खदान संचालक भी फरार है। बहरहाल डोमचांच जंगल में संचालित अवैध माइका खदान में मजदूरों की जर्मींदोज होने की यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी कोडरमा और डोमचांच में संचालित अवैध खदानों में माइका के उत्खनन करने के दौरान कई मजदूर लापता हो चुके हुए हैं। लेकिन हर बार लाश के साथ मामले का भी दफन कर दिया जाता रहा है। अलबता एक बार फिर कोडरमा जिला के डोमचांच थाना क्षेत्र में अवैध माइका खदान में दो मजदूरों के जर्मींदोज व लापता होने की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। वहीं इस घटना ने कोडरमा के वन विभाग, खनन विभाग और पुलिस की भी पोल खोल कर रख दी है।

डोमचांच में 8 से 10 लोगों पर मारपीट, जातिसूचक व पैसा छीनने का आरोप, एससी एसटी थाना में दिया आवेदन

नव प्रदेश/डोमचांच। थाना क्षेत्र अंतर्गत निरू पहाडी स्थित अजय राणा बोडी गैरेज के समीप रविवार देर शाम को दो गुटों मे हुई मारपीट मामले मे पीड़ित व्यक्ति ने एससी - एसटी थाना मे दिया आवेदन दिया है. दिए गए आवेदन मे कहा गया है की मैं सोनु कुमार दास पिता मुंशी दास, उम्र 32 वर्ष, साकिन गोलावढाब, थाना डोमचांच, जिला कोडरमा, का निवासी हूँ । मैं दिनांक 21.07 2024 संध्या तकरिबर 06:30 बजे निरू पहाडी स्थित अजय राणा बोडी गैरेज में अपना ट्रक सर्विसिंग करवाने के लिए गाड़ी घुमाकर लगाने के क्रम में एक दो पहिया वाहन जेएच 12 डी 7062 पेशन प्र।0 मोटर साईकिल पर तीन लोग शराब के नशे में धुत होकर मेरे ट्रक के आगे आकर अपना मोटर साईकिल रोक दिये और बोला कि तुम्हारा बाप का रोड है जो गाड़ी यहीं घुमा रहा है और मेरा गाड़ी के केबीन में 1. रोहित कुमार पिता नाम न मालूम, 2. कारू यादव पिता काली यादव, 3. कारू यादव का भतीजा सभी साकिन दुरोडीह, थाना डोमचांच मेरे साथ मारपीट व गाली गलौज करने लगा और मुझे केबीन से निचे खिच लिया और छति पर लात-पैर से मारने लगा और बोला कि तुम चमार हो मेरे सामने खड़ा होने का औकात नहीं है और गाड़ी रोड पर घुमा रहा है। इसी बीच रोहित कुमार मोबाईल से फोन कर लालु यादव पिता नारायण यादव, शशि यादव पिता सुखदेव यादव एवं अन्य 8 से 10 लोग आये और मेरे साथ मारपीट करने लगा, तथा मेरे पैट के पैकेट में गाड़ी का भाड़ा वो पुंजी जो माल खाली करके पटना से आये था जिसका कुल रूपया 60,000/- - रोहित कुमार एवं उसके अन्य साथीयो के द्वारा छिन लिया गया, और मेरा माथा गाड़ी में पटक दिया जिससे मेरा शर फट गया, और मैं रोड पर ही गिर गया, इसी क्रम में मेरा चचेरा भाई प्रदीप राम वहीं से गुजर रहा था। तो वह मुझे खून से लथपथ देखा तो हल्ला कर एवं कुछ लोगों को बुलाकर मुझे उपचार हेतु रेफरल हॉस्पिटल, डोमचांच ले गया जहाँ मेरा ईलाज हो ही रहा था की रोहित कुमार एवं 2 से तीन अन्य लोग आकर गया और बोलने लगा की अगर पुलिस में शिकायत किया तो हमलोग तुमको जान से मार देंगे. उन्होंने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाया है।

ट्रैक्टर पलटने से ड्राइवर की मौत

नव प्रदेश/चंदवारा। प्रखण्ड अंतर्गत पूतो चौक के समीप ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक महुवादोहर से महतो अहरा आ रहा था। इसी दौरान पुतो चौक के समीप ट्रैक्टर पलट गया और ड्राइवर उसके नीचे दब गया जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान करौंजिया निवासी लक्ष्मण भुइयां उम्र 35 वर्ष पिता नान्दी भुइयां के रूप में की गई। वही घटना की सूचना पाकर एस आई रिंेश कुमार दल बल के साथ पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवा कर परिजनों को सौंप दिया। इधर घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही घटना में क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर को थाना परिसर में लाया गया।

आफ्रीका में फंसे झारखंड के सभी प्रवासी मजदूर लौटे अपने घर



नव प्रदेश/गिरिडीह। अफ्रीका के कैमरून में फंसे झारखंड के प्रवासी मजदूर भारत लौट आए हैं। सभी मजदूर सोमवार को घर पहुंच गए। वतन वापसी पर मजदूरों में उत्साह है। साथ ही परिजनों की चिंता भी दूर हो गई है। कैमरून में झारखंड के 27 प्रवासी मजदूर फंसे हुए थे, जिसमें गिरिडीह जिले के चार समेत बोकारो और हजारीबाग जिले के विभिन्न प्रखंडों के मजदूर शामिल थे। मजदूरों ने एक सप्ताह पहले सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कैमरून में फंसे होने की बात बताई थी। साथ ही सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। मजदूरों ने बताया था कि काम के बदले उन्हें मजदूरी नहीं दी जा रही है। इससे उन्हें खाने-पीने के लाले पड़ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय हरकत में आया। मजदूरों ने बताया कि भारत सरकार के हरकत में आने के बाद कंपनी की ओर से मजदूरों के साथ बैठक की गई और मजदूरों के बीच बकया मजदूरी का भुगतान किया गया। साथ ही वतन वापसी की गारंटी दी गई। इससे मजदूर अपने वतन लौट आए। वापस लौटे मजदूरों ने वतन वापसी के लिए सरकार के साथ-साथ मीडिया कर्मियों का आभार जताया है। मजदूरों के विदेश में फंसे होने की जानकारी मिलते ही परिजनों की चिंता बढ़ गई थी। वे सरकार से मजदूरों की वापसी की मांग कर रहे थे। अब जब मजदूर वापस आ गए हैं तो परिजनों की चिंता भी दूर हो गई है। वे अपने परिजनों से मिलकर उत्साहित हैं। गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों के 27 मजदूर अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे हुए थे। इन मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के चिचाकी निवासी शुकर महतो, डुमरी थाना क्षेत्र के अतकी निवासी रमेश महतो, विजय कुमार महतो, दुधभनिया के दौलत महतो, विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अचलजामू के बिशुन प्रसाद, खरना के छत्रधारी महतो, भीखन महतो, जोबार के टेकलाल महतो, चानो के चिंतामन महतो, मोहन महतो, बोकारो जिले के नवाडीह प्रखंड के कडरूखुंटा निवासी जगदीश महतो, गोविंद महतो, डेउलाल महतो, चुरामन महतो और 27 अन्य शामिल हैं।

जननी सुरक्षा योजना घोटाले में शामिल सभी आरोपी से पीआर बॉन्ड भरा कर छोड़ा गया

नव प्रदेश संवाददाता

सतगावां। प्रखंड के स्वास्थ्य विभाग में हुए जननी सुरक्षा योजना घोटाला को लेकर उपायुक्त मेघा भास्कराज ने के द्वारा गठित कर सदस्यीय टीम ने सोमवार को सतगावां स्वास्थ्य केंद्र सघन जांच और सभी आरोपित का बयान दर्ज किया गया।मालूम पिछले दिनों सतगावां स्वास्थ्य केंद्र में जननी सुरक्षा योजना में हुए घोटाला का मामला उजागर हुआ था। मालूम एक दिन में एक महिला का 12 बार प्रसव एवं पुरुष को भी मां बना दिया जाता है। साथ ही 50 लाख से अधिक रुपए की निकासी कर गड़बड़ी की गई। जांच टीम में उपविकास आयुक्त ऋतुराज जिला यशमा पदाधिकारी डॉ रमन कुमार, डी पी एम डॉ महेश कुमार , जिला लेखा प्रबंधक राकेश कुमार पाण्डे ,जिला ग्रामीण विकास अधिकरण



से विवेकानंद, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सतगावां सौरभ कुमार

शामिल थे। उल्लेखनीय रहे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां

में जननी सुरक्षा योजना के तहत संस्थापत प्रसव को बढ़ावा देने के

लिए प्रसव पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग की ओर से 1400 रुपये की प्रोत्साहन राशि दिया जाने प्रावधान है। इसी राशि को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सतगावां में पदस्थापित प्रधान लिपिक सह लेखा पाल अजीत कुमार,बी टी टी दिनेश चौधरी पिता मसुदन चौधरी ने फजीवांड़ा कर दिनेश चौधरी, अपनी पत्नी , पुत्र अतुल चौधरी और अपने रिस्तेदारों तथा करीबियों के खातों से लगभग पचास लाख रुपये का हेराफेरी करने का मामला उजागर हुआ। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी अनुसार प्रधान लिपिक अजीत कुमार और बी टी टी दिनेश चौधरी ने 22जनवरी2024 को अतुल चौधरी को प्रसव पीड़ित बताकर उसके खाते में 14बार प्रतिक्रिस्त 1400 रुपये दिनेश चौधरी के खाते में 10 बार अंजलि कुमारी के खाते 13और अन्य करीबियों के खातों कई बार राशि डाली गई तथा

सावन की पहली सोमवारी : बासुकीनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नव प्रदेश संवाददाता

दुमका। सावन के पावन महीने का शुभारंभ हो गया है। इस अवसर पर बासुकीनाथ धाम में फौजदारी नाथ पर पवित्र गंगा जल चढ़ाने के लिए शिव भक्तों का तांता लगा रहा। जिसे निर्व्वित्र करने के लिए देर रात से ही प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की कवायद जारी रही। सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर पहुंचने वाले कांवरिया एवं भागलपुर के बरारी से आने वाले डाक बम की गुंज अर्धरात्रि से ही सुनाई देने लगी। जिन्हे कांवरिया

रूठ लाइन टाटा धर्मशाला होते हुए संस्कार मंडप के रास्ते मंदिर में अर्घा के माध्यम से जल चढ़वाया जा रहा था। पूरा दिन मंदिर परिसर भगवाधारी कांवरियों के बोल बम के नारे से गुंजता रहा। भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन की ओर से शीघ्र दर्शनम कूपन की व्यवस्था की गई थी। मंदिर के सिंह द्वार एवं शिवगंगा घाट के पास जलापण काउंटर से भी जल चढ़ाया जा रहा था। वहीं श्रद्धालु प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधा का भरपूर लाभ उठाते देखे गए। शास्त्रों की मान्यताओं के अनुसार सावन

महेंद्र यादव ने कोडरमा विधानसभा 2024 के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी का किए ऐलान

जनता का आशीर्वाद मिला तो बदल देंगे कोडरमा की तस्वीर : महेंद्र यादव

नव प्रदेश संवाददाता



कार्यक्रम में आए सभी लोगों को जिला परिषद सदस्य महेंद्र यादव ने कहा कि मुझे धन दौलत का लालच नहीं है सिर्फ जनता का एक सेवक हूं पर जब तक जीवित हूं जनता की सेवा करना ही मेरी पहली

प्राथमिकता होगी। जनता का आशीर्वाद मिला तो कोडरमा की सूरत बदल देंगे। वहीं जिले में कमजोर प्रतिनिधित्व से जनता परेशान है। जरूरत पड़ेगी तो जनता को न्याय दिलाने के लिए गोली भी

एएनएम को दिया गया

कुष्ठ रोग संबंधी प्रशिक्षण

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम बैच एएनएम को सोमवार को कुष्ठ रोग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार ने कहा कि कुष्ठ मरीज सबसे पहले ए एन एम (ANM) के पास ही पहुंचते हैं। जिसके कारण एएनएम का प्रशिक्षण जरूरी है ताकि क्षेत्र में कुष्ठ रोग का बेहतर इलाज एवं प्रबंधन हो सके। प्रशिक्षण के रूप में राज्य से आए काशीनाथ चक्रवर्ती NLR INDIA FOUNDATION मौजूद थे। काशीनाथ चक्रवर्ती ने जिले के सभी प्रखंडों में पदस्थापित एएनएम को कुष्ठ रोग के पहचान एवं उपचार के साथ कुष्ठ रोग से होने वाले विकलांगता की रोकथाम, रिपेक्शन मैनेजमेंट, एमटीडी, रिस्क्रेड्रिक्टव सर्जरी, sigfile dose rnfmpicif



तथा कुष्ठ रोग के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि इसकी पहचान त्वचा पर लाल गहरी या हल्के दाग उभरना, दाग वाले हिस्से में सूनापन, त्वचा के प्रभावित हिस्से से बाल झड़ना, हाथ उंगली या पैर के उंगलियों का सुन्न होना, आंखों की पलकें झपकाने में कमी आना, हाथ, पैर में बिना दर्द के घाव होना, हाथ एवं पर की उंगलियों का टेढ़ा हो जाना, चमकदार या तैलीय

त्वचा, त्वचा पर गांठे, आंख बंद करने में असमर्थता, आंख के भौहें का खत्म हो जाना, नाक का हड्डी बैठ जाना, नाक का विकृति हो जाना, तंत्रिका में मोटापन, कोहनी घुटने टखने के आस पास के क्षेत्र में झुन्नझुनी, ठंड या गर्म वस्तुओं को महसूस करने में असमर्थता, हथेली या पैर में सूनापन, हाथ पैर में बिना दर्द के घाव, चलते समय पैर घसीटना आदि शामिल है।कुष्ठ

2025 के विधानसभा चुनाव में राजग गठबंधन 225 सीटें जीतेगा : सीएम

नव प्रदेश संवाददाता

पटना। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गई है। पहले दिन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने के साथ दिवंगत सदस्यों को याद करते हुए सदन की कार्रवाई मंगलवार 23 जुलाई के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद सोमवार को एनडीए विधानमंडल दल की बैठक हुई। इस बैठक में राजग सदस्यों को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें हम जीतेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधायकों ने अपनी बातें रखी। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए विधायकों को संबोधित किया।



मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में

225 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि काम हमलोग करते हैं और मुस्लिम

लोग राजद को वोट करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि काम हमही

सीएचसी काराकाट में स्वास्थ्य कर्मियों का धरना प्रदर्शन

नवप्रदेश संवाददाता

काराकाट। प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (गोड़ारी) में सोमवार को सविदा स्वास्थ्य कर्मों संघ काराकाट के तत्वाधान में मूलभूत सुविधाओं को लेकर अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया गया। स्टॉफ नर्स, एएनएम सहित सविदा कर्मियों ने केंद्र व राज्य सरकार से अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों की मांग ये थी कि मार्च 2024 से बकाया मानदेय माह के अंतिम दिन अविलंब भुगतान करने सविदा पर कार्यरत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को बिना शर्त राश्र कर्मी का दर्जा देने, एनएचएम कर्मियों को लिए स्मार्टफोन से एकआरएसएस विधि से उपस्थिति दर्ज करने को अविलंब निरस्त करने,स्वास्थ्य केंद्रों पर स्थाई भवन की सुविधा बहाल करने,



आवासीय सुविधा, शौचालय, बिजली, वाई फाई इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की गई। धरना प्रदर्शन में स्टॉफ नर्स राकेश कुमार, तहमियां बख्शी, एएनएम

साधना कुमारी, शांभवी कुमारी, कल्पना कुमारी, हिमांशु तिवारी, सीएचओ, अमित कुमार, सचिन कुमार, रमेश कुमार, शशी कुमार सहित कई स्वास्थ्य कर्मी थे।

स्वच्छता को लेकर नगर निगम ने निकाली रैली

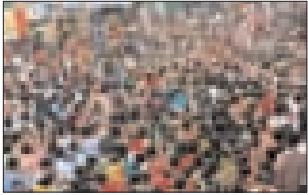
नवप्रदेश/सासाराम। शहर को साफ सुथरा रखने के साथ-साथ लोगों को गंदगिरी से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए नगर निगम सासाराम द्वारा सोमवार को जन जागरूकता अभियान चलावा गया। जिसमें सफाई अपनाओ और बीमारी भगाओ नारों के साथ नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मियों ने शहर के विभिन्न भागों में जन जागरूकता रैली निकाली। बता दे की नगर विकास एवं आवास विभाग ने बिहार के सभी नगर निगम, नगर पंचिद एवं नगर पंचायत को सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसी के अलाके में आज शहर में यह अभियान चलाया गया। यह अभियान आगामी 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। सासाराम नगर निगम की नगर उप आवुक्त मैमून निशा ने बताया कि विभागीय दिशा निर्देश के अनुसार नगर निगम क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि लोगों को उचित स्थान पर कचरा फेंकने के साथ-साथ इधर-उधर कचरा नहीं फेंकने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही साथ शहर को स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम को सहयोग करने के लिए भी अपील किया गया। उन्होंने कहा कि यदि शहर स्वच्छ रहेगा तभी लोग स्वस्थ रहेंगे। इसी के उद्देश्य से यह जागरूकता रैली निकाली गई है।



हादसा : लाइट कटने से भक्तों के बीच अफरा-तफरी का माहौल, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कुमार भास्कर नवप्रदेश

मोतिहारी। सावन की पहले सोमवारी को अररंज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में बड़ा हादसा हो सकता टल गया है। अररंज एसडीपीओ रंजन कुमार की सुझबुझ से हादसा टल गया है। अचानक लाइट कट जाने के कारण यहां समस्या खड़ी उत्पन्न हो गई थी। पशुासन की तरफ से लाइट की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई थी। बता दें कि सावन की हर सोमवारी को अररंज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में भक्त जल चढ़ाने के लिए आते है, यहां सुबह में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। लेकिन, इस साल सुबह ही अचानक भक्तों की भीड़ उमड़ गई। इसी बीच अचानक से लाइट कट गई, जिसके बाद भक्तों के बीच अफरा-तफरी का माहौल हो गया। अररंज एसडीपीओ रंजन कुमार ने अपने सुझबुझ का परिचय देते हुए भीड़ को संभालते हुए स्थिति नियंत्रित कर संभाला। इस तरह से बड़ा हादसा टल गया। अररंज मंदिर के महंत रविशंकर गिरी ने कहा कि इस बार अद्भुत संयोग बना है। सोमवार को सावन की शुरुआत हो रही है और सोमवार को ही सावन समाप्त हो रहा है। ऐसे पूरा सावन ही शिव को प्रिय है, लेकिन इस साल एक अलग ही संयोग बना है इसको लेकर मंदिर में भीड़ उमड़ी है। इसलिए लोगों से अपील भी की गई है कि आप सभी संयम बरत कर दर्शन करें, भक्तों की भीड़ को देखते हुए ढाई बजे ही मंदिर का पट खोल दिया गया है।



हांथीपांव अनुवांशिक नहीं बल्कि संक्रामक बीमारी

हाथीपांव से बचने के लिए

दवा का सेवन जरूरी

सभी दवा पूरी तरह से

सुरक्षित और असरदार

नवप्रदेश संवाददाता

सासाराम। फाइलेरिया को लेकर आज भी लोगों में अलग धारणा बनी हुई है। कहीं-कहीं लोग आज भी इसे अनुवांशिक रोगी मानते हैं, जबकि फाइलेरिया एक बीमारी है। फाइलेरिया क्यूलेक्स नामक मच्छर के काटने से फैलता है और यह मच्छर घर में यदि फले है से अधिक लोगों काटता है तो फलेरिया होने की संभावना अधिक हो जाती है, हालांकि इसका लक्षण 10 से 12 वर्षों के बाद दिखाई देता है इसलिए लोग इसे अनुवांशिक रोग माने लेते हैं जबकि यह एक संक्रामक बीमारी है और इससे सावधानी ही बचाव है। रोहतास जिला फ्लेरिया नियंत्रण इकाई के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी जयप्रकाश गौतम



ने बताया कि फाइलेरिया को लेकर अभी भी लोगों में जागरूकता का अभाव देखा जा रहा है और कहीं-कहीं लोग आज भी इसे जैनेटिक (अनुवांशिक) रोग ही मान रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया बीमारी को लेकर लगभग अभियान चलाया जा रहा है

और लोगों को जागरूक करके बताया जा रहा है कि यह एक जेनेटिक बीमारी नहीं है बल्कि यह एक संक्रामक बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में मच्छरों के काटने से फैलता है। यह मुख्यतः क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों से काटने से फैलता है।

फाइलेरिया की दवा पूरी तरह सुरक्षित

डीएमओ सह फाइलेरिया नोडल अधिकारी डॉ राकेश कुमार ने बताया कि फाइलेरिया उन्मुलन को लेकर दी जाने वाली एल्बेंडाजोल, डीडीसी, आइवमेक्टिन दवा पूरी तरह से सुरक्षित है। दवा को लेकर किसी प्रकार का नकारात्मक सोच मन में नहीं बैठाएं और ना ही दूसरों को नकारात्मक सोच जैसी प्रवृत्ति उत्पन्न होने दें। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत दी जाने वाली दवा पूरी तरह से सुरक्षित और लाभकारी है।

घर घर जा कर खिलाई

जाएगी दवा

डॉ राकेश कुमार ने बताया कि एमडीए अभियान 10 अगस्त से शुरू होगी। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मी सभी लोगों के घरों तक जाकर दवा का सेवन करवाएंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य कर्मी अपने सामने दवा का सेवन करवाएंगी और इसके फायदे बताएंगी।

लोग करेंगे, वो लोग नहीं करेगा। नई पीढ़ी को पुराने शासन काल के बारे में बताइए, 2005 से पहले का बिहार कैसा था, नौजवानों को यह जानना बहुत जरूरी है।

विधायकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कहीं कोई समस्या नहीं है। अगर किसी मुद्दे को समस्या भी होगी तो उसे आपस में निबटा लेंगे। विधायकों की मान सम्मान का ख्याल रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले क्या स्थिति थी, यह बात लोगों को बताइए। वैसे युवा जो 2005 के बाद जन्म लिए हैं, उन्हें क्या पता कि पहले बिहार की क्या स्थिति थी ? उनलोगों को बताइए कि पहले क्या हालात थे। हमने हर क्षेत्र में विकास के काम किए हैं। मुस्लिम वोटरों को लेकर

मुख्यमंत्री ने कहा कि काम हमलोग करते हैं और ये लोग वोट उनको(राजद) देते हैं। लालू-राबड्री की सरकार ने मुसलमानों के लिए कुछ काम नहीं किया।

राजग दलों की बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मंचासीन रहे। बैठक में सत्र के दौरान विपक्ष के हमलों का मुकाबला करने और सरकार की उपलब्धियों को सदन में प्रभावी ढंग से रखने की रणनीति पर चर्चा की गई। मंत्री प्रेम कुमार ने सदन में कैसे सुचारू रूप से कार्यवाही को आगे बढ़ाने में सत्ता पक्ष भूमिका अदा कर सकता है इस पर सदस्यों को बताया। साथ ही विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के लिए जिन मुद्दों को उठाया जा सकता है उससे निपटने पर चर्चा की गई।

आरएल महतो बीएंड कॉलेज में गुरु शिष्य परंपरा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता

दलसिंहसराय। दलसिंहसराय स्थित आर.एल.महतो इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के परिसर में गुरु शिष्य परंपरा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि गुरु और शिष्यों के बीच बहुत पवित्र एवं मधुर संबंध रहता है। गुरु शिष्यों को पुत्रवत् मानना और शिष्य गुरुओं को पितातुल्य मानना चाहिए। ऊपर से ज्ञान एवं प्रेम बरसाना और नीचे से श्रद्धा उमड़नी चाहिए। डीएलएड विभाग्रध्यक्ष मो. इमामुद्दीनने बताएं कि गुरु शिष्यों को शिक्षा,कोशल एवं व्यवसायिक शिक्षा का ज्ञान अनिवार्य रूप से कराना चाहिए। उन्हें सदाचरण एवं चरित्र निर्माण का ज्ञान अवश्य कराना चाहिए। उनके सर्वांगीण विकास के



लिए कठोर परिश्रम करना चाहिए। दोनों एक दूसरे के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए। व्याख्याता सर्वेश सुमन ने बताएं कि शिष्य गुरुओं के आदेशों का पूर्ण निष्ठा से पालन करना, उन्हें आदर करना और सम्मान देना चाहिए। गुरु ही शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर लाते हैं और उन्हें जीने की कला सिखाते हैं। इस अवसर पर

पंकज गुप्ता, प्रशिक्षु श्रवण कुमार, कुमारी बिना, संगीता कुमारी, शिवेश कुमार एवं नीरज कुमार ने हृदय स्पर्शी गीत गाए। उपस्थित दर्शकों ने इसे सराहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पल्लव पारस, दिनेश मिश्रा, मो.जावीर, अजय शर्मा, संतोष कुमार, श्वेता कर्ण किरण चौधरी एवं दिलीप कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मनरेगा में योजना के नाम पर लाखों की राशि गबन



योजना के फाईल खोलकर निकासी की उच्चस्तरीय जांच कराने आदि मांगों को लेकर आयोजित धरना की अध्यक्षता मालती के उप-सरपंच सुधांशु प्रियदर्शी ने किया।

जबकि सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले जिला स्थायी कमटी सदस्य फूलबाबू सिंह ने कहा कि पंचायत के योजनाओं में भ्रष्टाचार के खिलाफ कारवाई

नवोदय विद्यालय में संकुल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

नवप्रदेश/पश्चिम चम्पारण। पश्चिम चम्पारण में संकुल स्तरीय खेल कूद के अन्तर्गत ठेवल टेनिस, खोखो एवं रोप स्कीपिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय पश्चिम चम्पारण के प्रचार्य हरि लाल, कार्यक्रम सञ्चालक शारीरिक शिक्षक कुंजेश कुमार के साथ साथ विभिन्न जिलों के शिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रचार्य हरि लाल ने खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया एवं विभिन्न 17 जिले से आये सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा की खिलाड़ियों को पूरी खेल भावना से खेल खेचना है, खेल स्वस्थ जीवन का आधार है। कार्यक्रम के संयोजक जवाहर नवोदय विद्यालय के शारीरिक शिक्षक कुंजेश कुमार ने बताया कि इस संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 17 जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय की टीमें भाग ले रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय के शारीरिक शिक्षक कुंजेश कुमार ने बताया कि ठेवल टेनिस, खोखो एवं रोप स्कीपिंग की प्रतियोगिता का आयोजन यहीं किया जा रहा है, जिसके द्वारा क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए पटना आ संकुल के टीम चुनी जायेगी। इसमें अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 में खिलाड़ियों का सनन होगा। जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रति वर्ष खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन होता है। जवाहर नवोदय विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका मनीषा देवी ने बताया कि संकुल स्तर पर सफल खिलाड़ी पटना आ संकुल की टीम से ठेवल टेनिस, खोखो एवं रोप स्कीपिंग के विभिन्न जगहों पर आयोजित क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय के विज्ञान शिक्षक विष्व मोहन प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष खोखो, ठेवल टेनिस तथा रोप स्कीपिंग तीन खेलों के आयोजन का अवसर मिला है खेल अनुशासन के साथ साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में मंच संचालन जवाहर नवोदय विद्यालय पश्चिम चम्पारण के गणित शिक्षक अजय कुमार सक्सेना ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में जीव विज्ञान शिक्षक सह वरिष्ठ शिक्षक अजय कुमार ने वक्त्याद ज्ञापन दिया।

अनियंत्रित पिकअप टैंकर से टकराई एक की मौत दर्जनों घायल

नवप्रदेश/आरा। भोजपुर के शांभपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बनाही गांव के पास सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।

वहीं एक दर्जन से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए शाहपुर पीएचसी ले जाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज करने के बाद 13 घायलों को बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया गया। सभी लोग मुंडन कार्यक्रम में बवसर जिले के ब्रह्मपुर के ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर जा रहे थे। वहीं, सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद शाहपुर थाना मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मुतका जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत केशोपुर गांव निवासी द्वारिका यादव की पत्नी धनराजों देवी (55) है। जिन्होंने आरा सदर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, घायलों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बीमवा गांव निवासी नंद यादव का बेटा राधे श्याम (20), नंद यादव की पत्नी ललिता देवी (45), आदर थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव निवासी द्वारिका यादव की पत्नी धराजो देवी (55), ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के काटे गांव निवासी मंतीष यादव की 21 वर्षीय पत्नी विक्की देवी और डेढ़ साल की बेटी रियांशी, अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के परीरा गांव निवासी जगनरायण सिंह की 40 वर्षीय पत्नी विजयंती देवी, बिहिया थाना क्षेत्र के घाघा गांव निवासी लक्ष्मण यादव की 40 वर्षीय पत्नी फूला देवी, तीवर् थाना क्षेत्र के अरैला गांव निवासी भी भगवान के 60 वर्षीय पत्नी लक्ष्मीना देवी, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बीमवा गांव निवासी बजन यादव के 60 वर्षीय पुत्र रुदल यादव, शिव नाथ यादव की 50 वर्षीय पत्नी लबली देवी, रामजी यादव के 45 वर्षीय पत्नी मीरा देवी शामिल है। घटना को लेकर जख्मी महिला विक्की देवी ने बताया कि सोमवार को बीमवा गांव निवासी लाल जी के दो साल के बेटे राज बाबू के मुंडन कार्यक्रम में सभी 25 लोग पिकअप से ब्रह्मपुर शिव मंदिर जा रहे थे। उसी दौरान शाहपुर थाना क्षेत्र के रानीसागरगांव के समीप पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़ी तेल के कंटेनर टुक में पीछे से टकरा गई। जिसके बाद पिकअप में बैठे लगभग एक दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हो गए।



एक नजर

प्रथम सोमवारी को हर हर महादेव के नारे से गुंज उठा सूर्यपुरा

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में सावन माह की प्रथम सोमवारी को हर हर महादेव से गुंज उठा। सुबह से ही महिला व पुरुष स्नान कर हाथ में पूजा की थाली लेकर गांव के शिवमंदिर में पूजन के लिए गईं।



वहीं पूजा-कर्मिटी के द्वारा शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। खासकर सूर्यपुरा प्रखंड के बलिहार बाजार स्थित बाबा बंगलनाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ रही। कहा जाता है कि बाबा बंगलनाथ मंदिर में मन से जो भी पूजा-पाठ करते हैं। उनकी मनोकामना पूर्ण होती है। बेल (बिल्व) के पत्ते शिवजी को काफी प्रिय है। आचार्य संतोष पांडेय व आचार्य शंभू जी पांडेय ने बताया कि शिव पुष्प में एक शिकारी की कथा है, जो कि एक बार उसे जंगल में देर हो गई तब उसने एक बेल वृक्ष पर रात बिताने का निश्चय किया। रात में जंगे रहने के लिए उसने एक तरकीब सोची और वह सारी रात एक-एक कर पत्ता तोड़कर नीचे फेंकता रहा। बेल वृक्ष के नीचे एक शिवलिंग था। शिवलिंग पर प्रिय पत्ते का अर्पण होते देख शिव प्रसन्न हो उठे, जबकि शिकारी को अपने शुभ कृत्य का आभास ही नहीं था। शिव ने उसे उसकी इच्छा पूर्ति का आशीर्वाद दिया। सच्चे दिल से शिवजी की भक्ति करने से सभी भक्तों की मनोकामना अवश्य पूरी होगी।

विधिक जागरुकता शिविर में बच्चों को कानून की दी गई जानकारी

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में प्रखंड मुख्यालय स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के पैनल अधिवक्ता राजेश कुमार चौबे ने बताया कि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन का उर्दू मध्य विद्यालय के बच्चों को बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। वहीं जागरूकता शिविर में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं स्टूडेंटस को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, बच्चों के अधिकार गुड टच, बैड टच एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय में 29 जुलाई से 3 अगस्त 2024 तक आयोजित विशेष लोक अदालत के बारे में विशेष जानकारी दी गई। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजीत कुमार सिंह उर्फ मट्ठू, मो महाताब, नंद जी सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल थीं।



द डिवाइन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने साइंस ओलंपियाड के जोनल रैंक के लिए किया त्वालीफाई

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। द डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में साइंस ओलम्पियाड के दूसरे लेवल को क्वालीफाई करनेवाले तथा जोनल लेवल के टॉपर्स में अपना स्थान बनानेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कुल 87 विद्यार्थी पुरस्कृत हुए। जोनल रैंक टॉपर्स में रैंक 1 से रैंक 25 तक के रैंक होल्डर को शामिल किया जाता है। द डीपीएस के कुल 6 विद्यार्थियों को SOF की ओर से उत्कृष्ट जोनल रैंक प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र दिया गया। कक्षा 6 के विद्यार्थियों पंकज कुमार केशरी एवं आदित्य कुमार को जोनल रैंक 2 प्राप्त करने पर SOF की ओर से प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ सिक्वर मेडल तथा पच्चीस सौ रुपए का चेक प्राप्त हुआ। अन्य विद्यार्थियों में अमन कुमार, अंश करण्य एवं प्रेमदीप जाली की भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सह निदेशक अखिलेश कुमार ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष फॉर्म भरने के मामले में हम पूरे बिहार में तीसरे स्थान पर रहे। इस वर्ष हमें इंटरनेशनल लेवल पर स्थान बनाना है। तप जितना कठिन होगा परिणाम उतना ही अविश्वसनीय आएगा। इंटरनेशनल लेवल पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों को साइंस ओलिंपियाड की तरफ से क्रमशः पचास, पच्चीस तथा दस हजार की पुरस्कार राशि दिल्ली बुलाकर दी जाती है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि जितनी इनाम राशि रङ्गरु आपको देगा उसमें उतनी ही राशि जोड़कर विद्यालय भी आपको देगा। साथ ही दिवाली तक आपकी एवं आपके माता-पिता की फ्लाइट की टिकट भी विद्यालय बुक करवाएगा। इसलिए कमर कसकर इसकी तैयारी में लग जाइये।



लूट गया 501 बोरा मूंग बरामद

नवप्रदेश/डेहरी। डेहरी आँन सोन एसएनबी डहेरी मुफरसिल थाना क्षेत्र से 501 बोरा मूंग के लूट की घटना थाने में दर्ज की गई थी। इस संदर्भ में पुलिस ने बोधगया थाना क्षेत्र में छापामारी कर उक्त मूंग को बरामद कर लिया है। यह जानकारी देते हुए एएसडीपीओ सुभाष मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि दिनांक 20.07.2024 को समय करीब 00:30 बजे पूर्वाह्न में डेहरी (मु०) थाना अन्तर्गत कोयला डिपो, डेहरी में ट्रक पर लदे 501 बोरा खरा मूंग की लूट की घटना घटित हुई थी। उक्त घटना के संदर्भ में थानाध्यक्ष डेहरी मुफरसिल थाना के द्वारा डेहरी मुफरसिल थाना कांड संख्या 119/24 दिनांक 21.07.2024 धारा-309 (4) बी०एन०एस० वादी रौशन कुमार सिंह उम्र 22 वर्ष पिता रंजन प्रसाद ग्राम नवाटोला गोलसचक थाना बोधगया जिला गया के फर्दबयान के आधार पर अंकित किया गया। उक्त कांड के उद्देहन हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय रोहतास के निर्देशानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी-1 डेहरी के द्वारा पु०अ०नि० विद्याभूषण थानाध्यक्ष डेहरी थाना के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। एक टीम के द्वारा कांड के वादी को सख्ती से पृछताछ किया गया। पृछताछ के कम में वादी स्वयं अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर लूट की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार किया। वादी के निशानदेही पर कांड में लूटी गयी 501 बोरा मुंग को बेचू यादव पिता स्व० मुखू यादव साकिन भुसिया थाना चेककी जिला गया के यादव मार्केट स्थित गोदाम से तीन कमरों में रखा बरामद किया गया है। घटना में शामिल अन्य अपराधकर्मी के गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। इस कांड में रोशन कुमार सिंह बोधगया तथा अरविंद कुमार बोधगया को को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

नन्हें फरिस्ते अभियान के तहत घर से भागी किशोरी को किया चाइल्ड लाइन के हवाले

नवप्रदेश/डेहरी। डेहरी रेल्वे स्टेशन के प्लेटफर्म संख्या-02/03 के पश्चिमी छोर पानी टंकी के पास समय करीब-14:00 बजे ड्यूटी में तैनात सड्डउर्द्दुनिद्द मंजोन कुमार चौधरी, राजेंद्र कुमार दस साथ महिला आरक्षी प्रीति कुमारी को एक अकेरी लड़की डरी सहमी व घबराई हुई दिखाई दी। महिला आरक्षी प्रीति कुमारी के द्वारा पृछताछ किया गया तो उसने अपना नाम पता काल्पनिक रचना कुमारी,उम्र-14 वर्ष, पिता-रविंद्र गोंड, ग्राम-चीलारी, थाना-जहानाबाद, जिला-जहानाबाद (बिहार) बताई। इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम को 1098 पर देते हुए महिला आरक्षी प्रीति कुमारी द्वारा उसे रेल्वे सुख्खा बल पोस्ट डेहरी आँन सोन पर लिला गया और उसकी सही प्रकार से कॉन्सोलिंग की गयी तो उसने बताया कि मैं अपनी मम्मी के डांट फटकार एवम मारने पीटने से नाराज होकर घर से अकेले निकल कर डेहरी आँन सोन स्टेशन पर आ गई हूँ। सूचना के आलोक में चाइल्ड हेल्पलाइन, सासाराम (रोहतास) के केस वर्कर रंजू कुमारी समय-15:00 बजे रेल्वे सुख्खा बल पोस्ट डेहरी आँन सोन पहुँचें नाबालिग बच्चों एवं बच्चियों के सुपुर्दगी संबंधी जारी दिशा निर्देशों एवं प्रक्रिया का पालन करते हुए सुपुर्दगीनामा तैयार कर नाबालिग खुशी कुमारी को समय-16:40 बजे अंतिम कार्यवाही हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन सासाराम (रोहतास) को फोटोग्राफी करते हुए सही सलामत सुपुर्द किया गया।





आम्रेश्वर धाम मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

चप्पे-चप्पे पर रही प्रशासन की पैनी नजर



खुंटो/ राजधानी रांची से लगभग 40 किलोमीटर दूर अंगनाबाड़ी आम्रेश्वरधाम धाम मंदिर में भारी संख्या में पहुंचे भोले के भक्त, रविवार रात बारह बजे से हिं श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे वहीं कई भोले भक्त रांची से पैदल आम्रेश्वरधाम धाम पहुंचे। प्रसासन के ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं खुंटो क्षेत्र में की विसृत सच्चा ने मन मोह लिया

25 हजार शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

पवित्र सावन महीने की पहली सोमवारी को खुंटो जिले के ऐतिहासिक बाबा आम्रेश्वरधाम सहित सभी मंदिर शिवमय हो गये। बाबा आम्रेश्वर धाम में 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किया। भक्तों को सुरक्षा देने और उनके सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों-कर्मियों के अलावा हिला पुलिस की तैनाती की गई है। समिति के एक सौ स्वयंसेवकों के अलावा एनसीसी के छात्र भी लगातार सेवा दे रहे हैं। धाम परिसर में 24 घंटे डॉक्टर और चिकित्सक भी तैनात हैं।

जिले के वरीय अधिकारी लगातार धाम परिसर में नजर बनाये हुए थे
मंदिर के इंदु गर्द तमाम गतिविधियों पर वरीय अधिकारी ने पैनी नजर रखी थी, भक्तों को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े, इनके देख-रेख में श्रद्धालु उमंग के साथ पूजा अर्चना कर रहे थे। धाम में कई ऐसे भक्त थे जिन्होंने शीघ्र दर्शन किया, शीघ्र दर्शन करने के लिए 2 सौ पसास रु चंदा के रुप में भक्त जन के द्वारा लिया जा रहा था।

सावन के पहले सोमवार पर बिहार में हादसा, गंगा में चार लड़के डूबे



भागलपुर। भागलपुर जिला के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर नहाने के क्रम में सोमवार को डूबने से चार लड़कों की मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीन लड़कों के शव नदी से निकाल कर परिजनों को सौंप दिया गया है। एक की खोजबीन जारी है। मरने वाले सभी नवगण्डिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले हैं। परिजनों ने बताया कि पहली सोमवारी को लेकर नवगण्डिया नया टोला गांव से 11 लड़के गंगा स्नान के लिए मधुरापुर गंगा जहाज घाट

आये थे। गहरे पानी में जाने की वजह से पहले एक लड़का डूबने लगा। उसको बचाने दूसरा लड़का पहुंचा। इसी तरह एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में एक एक कर 11 लड़के डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से सात लड़कों को बचा लिया गया। वहीं चार लड़के डूब गए। इस हादसे में चार शिवम कुमार (18वर्ष) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार उम्र (16 वर्ष) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार उम्र (18 वर्ष) पिता संतोष भगत, संजीव कुमार (17वर्ष) पिता अरुण कुमार शाह की मौत हो गई।

‘भारत को कमजोर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे’, ममता बनर्जी के बयान पर भड़की भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है और आरोप लगाया है कि सीएम राज्य में घुसपैठ को जायज ठहरा रही हैं। भाजपा ने यह आरोप ममता बनर्जी के उस बयान के बाद लगाया है, जिसमें ममता बनर्जी ने कहा कि वह बांग्लादेश के हिंसा प्रभावित लोगों को राज्य में शरण देने के लिए तैयार हैं। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत की एकता को कमजोर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

‘बंगाल की जनसांख्यिकी में आ रहे बदलाव’

रविशंकर प्रसाद ने तंज कसते हुए कहा कि ‘टीएमसी की नेता नागरिकता संशोधन कानून का विरोध



कर रही हैं, जो पड़ोसी देशों में धर्म के आधार पर सत्ताएं गए लोगों को नागरिकता देता है, लेकिन वह घुसपैठियों की मदद करना चाहती हैं।’ प्रसाद ने ममता बनर्जी पर घुसपैठ को जायज ठहराने का आरोप लगाया और कहा कि ‘बंगाल में जनसांख्यिकी बदल रही है। राज्य में पहले मुस्लिम बहुल जिलों की संख्या तीन थी, लेकिन आज यह बढ़कर नौ हो गई है। कोलकाता की जनसांख्यिकी में भी बदलाव आ रहे हैं क्योंकि बांग्लादेश से बड़ी संख्या में लोग कोलकाता आ रहे हैं।

15 साल के ट्रेंड जवान को जॉब नहीं तो 4 साल के अग्निवीर को कैसे मिलेगी नौकरी : राहुल गांधी

नई दिल्ली। सेना में बतौर ‘अग्निवीर’ भर्ती हुए युवाओं को क्या चार साल बाद गारंटी से सरकारी नौकरी मिल पाएगी, इस बाबत सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में अग्निवीरों को दस फीसदी आरक्षण देने की बात कही थी। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी ने इस आरक्षण के फ्रेमवर्क पर सवाल उठाते हुए कहा, अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण, 2 करोड़ रोजगार की तरह एक जुगुल है। जब मोदी सरकार 15 साल के प्रशिक्षित जवान को नौकरी नहीं दे पा रही, तो महज 4 साल के प्रशिक्षित अग्निवीर को नौकरी कैसे दे सकेगी। क्या 10वीं पास अग्निवीर युवा 4 साल बाद किसी सरकारी नौकरी का पेपर पास कर पाएगा। लोकसभा चुनाव के बाद हुए संसद के विशेष सत्र में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अग्निवीरों का मुद्दा



सरकार, संसद में श्वेत पत्र लेकर आए : चौधरी

चौधरी ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि सेना में अग्निवीर जवान लगातार सुसाइड क्यों कर रहे हैं। क्या अग्निवीरों को पर्याप्त ट्रेनिंग मिल पा रही है। क्या छह महीने का प्रशिक्षित अग्निवीर सेना में काम करने के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से सक्षम है। पिछले एक साल में कितने ‘सामान्य’ सैनिकों ने सुसाइड किया है। उक्त अवधि के दौरान कितने ‘अग्निवीर’ सैनिकों ने सुसाइड किया। सरकार, संसद में श्वेत पत्र लेकर आए कि अग्निवीर सैनिक व रेगुलर सैनिक में भेदभाव क्यों है।

उत्था था। उन्होंने अग्निवीरों को सेवा के दौरान ग्रेयुटी के अलावा अन्य लाभ न मिलने और उनके परिवार को पेंशन से वंचित करने की अलोचना की थी। राहुल गांधी ने दावा किया था कि सरकार अग्निवीरों को इस्तेमाल

एक नयी ‘नाम-पट्टिका’ पर लिखा जाए सौहार्दमेवजयते! : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को बड़ा झटका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांड़ रुट पर दुकानदारों के नेम प्लेट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुकानदार खाने का प्रकार लिखें और दुकानों पर उनका नाम लिखना जरूरी नहीं है। वहीं इस मुद्दे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा, "एक नयी 'नाम-पट्टिका' पर लिखा जाए: सौहार्दमेवजयते!" इसके साथ ही अखिलेश यादव ने समाचार एजेंसी एनआई से बात करते



हुए कहा, "मैंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का सज़ान लेना चाहिए और इस तरह की कार्रवाई को रोकना चाहिए। सरकार ऐसे कई कदम उठाएगी क्योंकि जब सांप्रदायिक राजनीति खत्म हो जाएगी तो ये लोग ऐसा ही करेंगे।

अखिलेश यादव ने X पर अपने पोस्ट 'मानसून ऑफ़: 100 लाओ, सरकार बनाओ' पर कहा, अभी बारिश हो रही है। फिर विंटर का ऑफ़ आएगा। अपनी कुर्सी बचाने के

NEET मुद्दे पर बोले अखिलेश

अखिलेश यादव ने NEET मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, "यह कैसे संभव है कि एक ही सेंटर पर इतने सारे छात्रों को इतने अंक मिलें। यह सरकार और उस संस्थान की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है जो इतनी बड़ी परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस सरकार ने पेपर लीक का एक रिकॉर्ड बनाया है।

लिए दुकानों के बाहर मालिकों को अपने नाम का बोर्ड लगाने को कहा है। सच तो यह है कि इसमें दिव्हे और लखनऊ की सरकारें एक साथ हैं।

न्यूज गैलरी

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजी गई पूजा खेडकर की मां

पुणे। महाराष्ट्र में विवादों में घिरी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक किसान को धमकाने के मामले में आज मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्हें पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि पुणे पुलिस ने पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर के अलावा चार अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया है, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्हें 2023 में मुलशी तहसील के घडवाली गांव में जमीन विवाद को लेकर एक किसान को बंदूक के जरिए धमकाते हुए देखा गया था।

सूरज रेवन्ना को मिली सशर्त जमानत, यौन शोषण के आरोप में थे गिरफ्तार



बंगलुरु। यौन शोषण मामले में फंसे प्रज्जल रेवन्ना के भाई और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता सूरज रेवन्ना को बंगलुरु की एक अदालत से सशर्त जमानत मिली है। आपको बता दें कि सूरज रेवन्ना पर जेडीएस के पुरुष कार्यकर्ता के अप्राकृतिक यौन शोषण का आरोप है। सूरज रेवन्ना को 23 जून को गिरफ्तार किया गया था। सूरज रेवन्ना पर भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। आपको बता दें कि 27 वर्षीय एक व्यक्ति ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि सूरज रेवन्ना ने 16 जून को घन्नीकाड़ा स्थित अपने फर्महाउस में शिकायतकर्ता का अप्राकृतिक यौन शोषण किया। शिकायत के आधार पर होलेनरसिपुरा पुलिस ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया।

देश-दुनिया के इतिहास में 23 जुलाई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है

आज के दिन हम सब देशवासी क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाते हैं। चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में हुआ था। मूल रूप से उनका परिवार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बदरका गांव से था। पिता सीताराम तिवारी की नौकरी चली जाने के कारण अपने पैतृक गांव को छोड़कर भाबरा जाना पड़ा था। चंद्रशेखर आजाद का नाम चंद्रशेखर तिवारी था। वह बचपन से ही काफी जिद्दी और विद्रोही स्वभाव के थे। चंद्रशेखर का पूरा बचपन मध्य प्रदेश के इसी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में बीता। यहां पर उन्होंने बचपन से ही

निशानेबाजी और धनुर्विद्या सिखी। पढ़ाई से ज्यादा चंद्रशेखर का मन खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में लगता था। जलियांवाला बाग कांड के दौरान आजाद बनारस में बचपन में ही चंद्रशेखर को अंदर से झकझोर दिया। उसी दौरान उन्होंने ठान ली थी कि वह ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। इसके बाद उन्होंने यह तय कर लिया कि वह भी आजादी के आंदोलन में उतरेंगे और फिर महात्मा गांधी के आंदोलन से जुड़ गए। 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़ने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। उस दौरान जब उन्हें जज के सामने पेश

किया गया, तो उनके जवाब ने सबके होश उड़ा दिए थे। जब उनसे उनका नाम पूछा गया, तो उन्होंने अपना नाम आजाद और अपने पिता का नाम स्वतंत्रता बताया। इस बात से जज काफी नाराज हो गया और चंद्रशेखर को 15 कोड़े मारने की सजा सुनाई। आदेश के बाद, बालक चंद्रशेखर को 15 बेंत लगाई गईं, लेकिन उन्होंने उफ तक नहीं की और हर बेंत के साथ उन्होंने %भारत माता की जय% का नारा लगाया। आखिर में सजा भुगतने के एवज में उन्हें तीन आने दिए गए, जो वह जेलर के मुंह पर फेंक आए थे। इस घटना के बाद से ही चंद्रशेखर तिवारी को दुनिया चंद्रशेखर

आजाद के नाम से जानने लगी। आज भी कोई यह नाम लेता है, तो मूंछ पर ताव देने वाले आजाद की छवि आंखों के सामने आ जाती है। जलियांवाला बाग कांड के बाद चंद्रशेखर को समझ में आ चुका था कि अंग्रेजी हुकूमत से आजादी बात से नहीं, बल्कि बंदूक से मिलेगी। शुरुआत में गांधी के अहिंसात्मक गतिविधियों में शामिल हुए, लेकिन चौरा-चौरी कांड के बाद जब आंदोलन वापस ले लिया गया तो आजाद का कांग्रेस से मोहभंग हो गया और फिर उन्होंने बनारस का रुख किया। बनारस उन दिनों भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र था। बनारस में वह देश के महान

क्रांतिकारी मन्मथनाथ गुप्त और प्रणवेश चटर्जी के संपर्क में आए। क्रांतिकारी दल हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के सदस्य बन गए। **महत्वपूर्ण घटनाचक्र** 1555: सरहिंद में सिकन्दर सूरी को हराकर मुगल शासक हुमायूँ दिल्ली पहुंचा। 1829: अमेरिका के विलियम ऑस्टिन बर्ट ने टाइपोग्राफ का पेटेंट कराया, जिससे बाद में टाइपराइटर का विकास हुआ। 1877: हवाई में पहली टेलीफोन और टेलिग्राफ लाइन बिछाई गई। 1881: अंतरराष्ट्रीय जिन्मास्टिक संघ ने खेल परिसंघ की स्थापना की। यह विश्व का सबसे पुराना

खेल परिसंघ है। 1903: मोटर कंपनी फोर्ड ने अपनी पहली कार बेची। 1920: ब्रिटेन के कब्जे वाले पूर्वी अफ्रीका का नामकरण केन्या किया गया और इसे ब्रिटिश उपनिवेश बना दिया गया। 1927: मुंबई से रेडियो सेवा का नियमित प्रसारण शुरू हुआ। 1974: यूनाइटेड सैन्य शासन का अंत और पूर्व प्रधानमंत्री कौन्स्टेन्टिन कारमनालिस को दोबारा सत्ता संधालने का न्यौता दिया गया। 1998: अमेरिका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया। 2000: नागो में समूह-8 के 26वें

शिखर सम्मेलन का समापन। 2001: मेघावती सुकर्णोपुत्री इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं। 2005: मिस्र के शर्म अल-शेख और नामा बे के कुछ होटलों में बम विस्फोट। लगभग 100 लोग मारे गये। 2008: नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रामबरन यादव को इस्तीफा सौंपा। 2012: इराक में सिलसिलेवार हमलों में 103 लोग मारे गए।

1906: क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद। 1936: पंजाबी भाषा के विख्यात कवि शिव कुमार बटालवी। **निधन** 1932: भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक महमूद। 2007:अफगानिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद जहीरशाह। 2012: स्वतंत्रता सेनानी और समाज सेविका लक्ष्मी सहगल। **महत्वपूर्ण दिवस** -राष्ट्रीय प्रसारण दिवस। -बाल गंगाधर तिलक की जयंती। -चंद्रशेखर आजाद की जयंती। -लक्ष्मी सहगल की पुण्यतिथि।

‘दुकानदारों को अपनी पहचान बताने की जरूरत नहीं’

उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक



याचिकाकर्ता ने क्या दिए तर्क?

याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह चिंताजनक स्थिति है, जहां पुलिस अधिकारी विभाजन पैदा करने के लिए खुद ही आगे आ रहे हैं। अल्पसंख्यकों की पहचान करके उन्हें आर्थिक बहिष्कार के अधीन कर दिया जाएगा। यूपी और उत्तराखंड के अलावा दो और राज्य इसमें शामिल हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या यह प्रेस स्टेटमेंट था या औपचारिक आदेश था कि इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए? इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील ने जवाब दिया कि पहले एक प्रेस स्टेटमेंट था और फिर लोगों में आक्रोश था और वे कहते हैं कि यह स्वैच्छिक है लेकिन वे इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं। वकील ने कहा कि कोई औपचारिक आदेश नहीं है, बल्कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछे अहम सवाल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों से अपनी पहचान प्रदर्शित करने के आदेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील सीयू सिंह ने इसे अल्पसंख्यक आबादी के लिए घातक बताया है। सीयू सिंह ने यह तक कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार का यह फैसला अल्पसंख्यकों के आर्थिक बहिष्कार की प्लानिंग का संकेत दे रहा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस भेजा है।



बता दें कि उत्तर प्रदेश की सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में N G O एसोशिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स ने चुनौती दी है। इस मामले में जस्टिस नरेश चंद्र रेड्डी और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सुनवाई कर रही है। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से वकील सीयू सिंह दलील दे रहे हैं। वहीं वरिष्ठ वकील सिंघवी ने भी आपत्ति दर्ज की। वहीं कोर्ट ने इस मामले में न केवल यूपी बल्कि उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को भी नोटिस भेजा और शुक्रवार को अगली सुनवाई तक के लिए सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि क्या सरकार ने इस बारे में कोई औपचारिक आदेश पास किया है, जिस पर वकील ने कहा कि सरकार अप्रत्यक्ष रूप से इसे लागू रही है। पुलिस कमिशनर ऐसे निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि हमें स्थिति को इस तरह से नहीं बताना चाहिए कि यह जमीनी हकीकत से ज्यादा बड़ जाए। इसके तीन आयाम हैं डू सुखा, मानक और धर्मनिरपेक्षता और डू तीनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। ये बात जस्टिस एसवीएन भट्टी ने कही जब सिंघवी ने कि ये पहचान का बहिष्कार है, आर्थिक बहिष्कार है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का किया समर्थन

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद में मौजूद पांच भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों ने जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रैस से हटने के फैसले की तारीफ की है, लेकिन इनमें से तीन ने ही कमला हैरिस को राष्ट्रपति बनाने का समर्थन किया है। कमला हैरिस अमेरिकी इतिहास की पहली उम्मीदवार हैं जो राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हो सकती हैं साथ ही वे अमेरिकी की पहली अश्वेत महिला उम्मीदवार भी हैं।

इन सांसदों ने किया कमला हैरिस का समर्थन

अमेरिकी संसद में अभी भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और एमी बेरा सांसद हैं, ये भी डेमोक्रेट पार्टी से जुड़े हैं। इनमें से अभी रो खन्ना, श्री थानेदार और प्रमिला जयपाल ने ही कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दिया है। भारतीय मूल के सांसदों में प्रमिला जयपाल ने सबसे पहले कमला हैरिस को समर्थन देने का एलान किया। जयपाल चार बार की सांसद हैं और अमेरिका



के निचले सदन के लिए निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला हैं। हाल के कुछ वर्षों में डेमोक्रेट पार्टी में प्रमिला जयपाल का कद बढ़ा है और वह पार्टी की मजबूत आवाज बनकर उभरी हैं। प्रमिला जयपाल के अलावा भारतीय मूल के रो खन्ना और श्री थानेदार ने भी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। तीनों सांसदों ने जो बाइडन की भी तारीफ की। इनके अलावा

डेमोक्रेट पार्टी के कन्वेंशन पर टिकी निगाहें

जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रैस से बाहर होने के बाद अगस्त में डेमोक्रेट पार्टी के नेशनल कन्वेंशन पर सभी की निगाहें टिक गई हैं। अब कन्वेंशन में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर अंतिम मुहर लग सकती है। कन्वेंशन से पहले वर्चुअली भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर सहमति बन सकती है। यदि कोई अन्य नेता राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करता है तो उसे कन्वेंशन में 600 पार्टी सदस्यों का समर्थन हासिल करना होगा। साथ ही कन्वेंशन में भी समर्थन जुटाना होगा। अगर एक से ज्यादा उम्मीदवार होंगे तो उनके बीच चुनाव होगा।

स्टेट सीनेटर सुहास सुब्रमण्यम ने भी कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की दावेदारी का समर्थन किया। अन्य सांसदों ने भी अभी खुलकर कमला हैरिस को समर्थन नहीं दिया है।

वाल्मिकी घोटाले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को झटका, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्हें यहां की एक विशेष अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। बता दें, अदालत ने यह फैसला महर्षि वाल्मिकी जनजातीय विकास निगम में हुए कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में लिया है। बेल्हारी ग्रामीण कांग्रेस विधायक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में थे। आज उनकी हिरासत समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां संघीय जांच एजेंसी ने और हिरासत की मांग नहीं की। कर्नाटक की महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम में लेखा विभाग के अधीक्षक चंद्रशेखर पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था। इसके बाद निगम में बड़ा घोटाला सामने आया। नोट में निगम के खाते से 187 करोड़ रुपये अवैध तरीके से ट्रांसफर किए गए।

PMAY (शहरी) योजना अंतर्गत रांची में निमित

मुड़मा कुशाश्रम परियोजना का उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री संजय सेठ
माननीय, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री,
भारत सरकार

श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,
निबंधन विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति,
खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, नगर विकास
एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री नवीन जायसवाल
माननीय विधायक, हरिया

समय: अपराह्न 01:00 बजे
दिनांक: 23 जुलाई, 2024 (मंगलवार)
स्थान: मुड़मा, नगड़ी
(साई सिटी के निकट), रांची

इस अवसर पर आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार